राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार 31अक्टूबर2020 वर्ष-3, अंक -275 पृष्ठ-08 मूल्य-01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

यूपी पंचायत चुनाव 2020 से पहले गांव में खुफिया एजेंसियां खोज रहीं प्यार करने वालों को

मेरठ। खुफिया एजेंसियां अब गांव-गांव जाकर प्रेम-प्रसंग के मामले ढूंढ़ रही हैं। आगामी पंचायत चुनाव में ये मामले किसी बड़े विवाद की वजह न बन जाएं, इसके लिए पहले से ही एहतियात बरती जा रही है। उत्तर प्रदेश के एडीजी (इंटेलिजेंस) एसबी शिरोडकर की तरफ से पिछले दिनों एक पत्र जारी किया गया है। उन्होंने पंचायत चुनाव के मद्देनजर 11 बिंदुओं पर जानकारी जुटाने का निर्देश दिया है। इसमें एक बिंदु प्रेम-प्रसंग भी है। एलआईयू और इंटेलिजेंस को गांव-गांव में चल रहे अवैध प्रेम संबंध के मामले इकट्ठा करने होंगे। वर्तमान में गांव में क्या स्थिति है, पुलिस ने कोई कार्रवाई की है या नहीं, विवाद...आदि पर जानकारी जुटानी होगी। कई बार इस तरह के मामले बड़ा रूप धारण कर लेते हैं और बवाल की वजह बन जाते हैं। पंचायत चुनाव में ऐसा कुछ न हो, इसलिए पहले से इस तरह की जानकारियां जुटाई जा रही हैं।

इन बिंदुओं पर भी जांच-इसके अलावा गांवों में उन लोगों को भी सूचीबद्ध किया जा रहा है जो अचानक धनाढ्य हो गए। जातीय विवाद, जमीन से जुड़े विवाद, धर्मस्थल विवाद भी जुटाए जा रहे हैं। पंचायत चुनाव में क्या विवाद हो सकता है, इसका पूर्वानुमान लगाते हुए पहले से सूचना मांगी गई है। बता दें कि उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। ऐसे में पुलिस से लेकर खुफिया एजेंसियां भी सतर्क हो गई हैं। पंचायत चुनावों के ठीक एक साल बाद ही विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए इनकी महत्ता और बढ़ जाती है। अजय साहनी, एसएसपी मेरठ का कहना है कि पंचायत चुनाव के मद्देनजर गांवों से सूचनाएं एकत्रित कराई जा रही हैं। एलआईयू और इंटेलिजेंस इकाइयां भी इस पर काम कर रही हैं।

और भी खतरनाक होंगी भविष्य में फैलने वाली महामारियां, दुनिया में मौजूद हैं 850,000 अज्ञात वायरस-रिपोर्ट

नई दिल्ली। लंबे समय से विश्व और भारत के लोग गंभीर कोरोना वायरस से जूझ रहे हैं। इस साल कोरोना महामारी के चलते पहले ही आई ढेरों बुरी खबरों ने दुखी किया हुआ है कि इस बीच प्रमुख विशेषज्ञों की एक रिपोर्ट फिर से डरा रही है। ये रिपोर्ट कहती है कि दुनिया भविष्य में और अधिक बार महामारी का अनुभव कर सकती है, कि इनमें से कुछ कोरोना वायरस की तुलना में घातक होंगे, और नियंत्रित करने के लिए महंगे होंगे।

जैव विविधता और महामारी पर ये वैश्विक रिपोर्ट दुनिया भर के 22 प्रमुख विशेषज्ञों द्वारा लिखी गई थी, और गुरुवार को जारी की गई। यह जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं पर अंतरसरकारी

विज्ञान-नीति प्लेटफॉर्म द्वारा बुलाई गई कार्यशाला का परिणाम है जो प्रकृति के क्षरण और बढ़ती महामारी के जोखिमों के बीच संबंधों पर केंद्रित है।

रिपोर्ट की चेतावनी के अनुसार जिन्हें लगता है कि कोरोना इकलौता ऐसा घातक वायरस है वे जान लें कि प्रकृति में 540,000 - 850,000 अज्ञात वायरस हैं जो लोगों को संक्रमित कर सकते हैं। दिलचस्प बात यह है कि यह रिपोर्ट विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा फ्रेंच गुयाना में मायरो वायरस की बीमारी के फैलने के तीन दिन बाद आई है। डेंगू के समान लक्षणों के साथ, यह वायरस भी मच्छरों के माध्यम से फैलता है।

इबोला, ज़िका, निपाह इन्सेफेलाइटिस, और इन्फ्लूएंजा, एचआईवी / एड्स, कोविड -19 जैसी लगभग सभी ज्ञात महामारियों में से अधिकांश (70त्न) पशु रोगों की उत्पत्ति के रोगाणु हैं। आईपीबीईएस रिपोर्ट में कहा गया है कि वन्यजीवों, पशुओं और लोगों के बीच संपर्क के कारण ये रोगाणु फैल जाते हैं। विशेषज्ञों ने सहमति व्यक्त की कि महामारी के युग से बचना संभव है, लेकिन सही प्रतिक्रिया से रोकथाम तक जरूरी है।

रिपोर्ट में कहा गया कोविड -19 1918 के ग्रेट इन्फ्लुएंजा महामारी के बाद से कम से कम छठी वैश्विक स्वास्थ्य महामारी है, और हालांकि इन्फ्लुएंजा की उत्पत्ति जानवरों के रोगाणुओं में हुई थी, लेकिन सभी महामारियों की तरह इसकी शुरुआत पूरी तरह से मानव गतिविधियों से प्रेरित थी। स्तनधारी जीवों और पक्षियों में वर्तमान में अनुमानित 1.7 मिलियन अज्ञात वायरस मौजूद हैं।

विघटन प्रक्रिया के नाम पर लॉलीपॉप देकर पीछ हटाना चाहता है चीन, जाल में नहीं फंसेगा भारत

नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में विघटन पर सैन्य-कूटनीतिक स्तर के आठवें दौर की वार्ता के लिए तारीख को लेकर भारत चीन की पुष्टि का इंतजार कर रहा है। एचटी को पता चला है कि उसने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा फिंगर 4 से चीनी सैनिकों की वापसी की शर्तों को खारिज कर दिया है।

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रतिष्ठान में विचार से परिचित अधिकारियों के अनुसार, अगले दौर की वार्ता 19 वीं सीपीसी केंद्रीय समिति के 5 वीं पूर्ण सत्र और 3 नवंबर के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों की समाप्ति के बाद

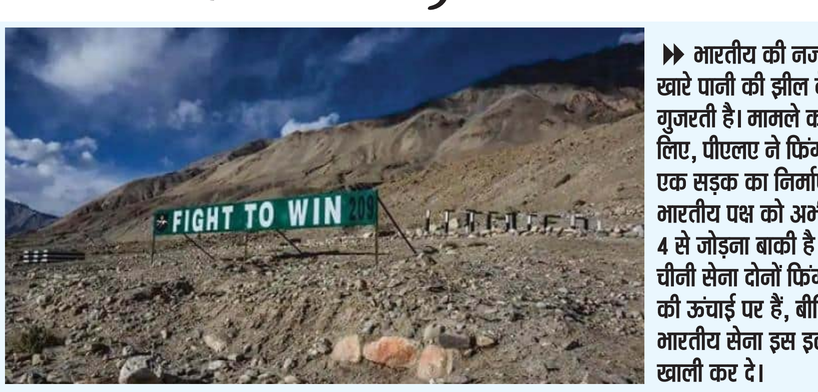

▶▶ भारतीय की नजर में एलएसी की यह रेखा खारे पानी की झील के फिंगर 8 से होकर गुजरती है। मामले को जटिल करने के लिए, पीएलए ने फिंगर 8 से फिंगर 4 तक एक सड़क का निर्माण किया है, जबकि भारतीय पक्ष को अभी भी सड़क को फिंगर 4 से जोड़ना बाकी है। जबकि भारतीय और चीनी सेना दोनों फिंगर 4 पर 5800 मीटर की ऊंचाई पर हैं, बीजिंग का प्रस्ताव है कि भारतीय सेना इस इलाके को पूरी तरह खाली कर दे।

होगी। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपनी ओर से यह स्पष्ट कर दिया है कि देश विघटन और डी-एस्कलेशन वार्ता को जारी रखने के लिए तैयार है ताकि मई 2020 से तैनात दोनों सेनाएं अपने बैरक में लौट सकें।

दोनों पक्षों के बीच हुई चर्चा से परिचित वरिष्ठ सैन्य कमांडरों के अनुसार, भारत ने पीएलए की यह शर्त मान ली है कि भारतीय सेना को केवल पैंगोंग त्सो के फिंगर 3 तक गश्त करनी चाहिए। चीनी सेना केवल फिंगर 5 तक गश्त करे ये अस्वीकार्य है वरना विवादास्पद फिंगर 4 अधिकृत अक्साई चिन का हिस्सा बन जाएगा। अनिवार्य रूप से, चीनी प्रस्ताव का अर्थ है कि फिंगर 4 दोनों सेनाओं के लिए सीमा से बाहर हो जाएगा, भले ही भारतीय सेना पहले फिंगर 8 तक गश्त करती थी। 1959 की लाइन द्वारा वास्तविक नियंत्रण रेखा या LAC चीन की नजर में पैंगोंग त्सो झील के फिंगर 4 से होकर गुजरती है। भारत ने इसे खारिज कर दिया है।

भारतीय की नजर में LAC की यह रेखा खारे पानी की झील के फिंगर 8 से होकर गुजरती है। मामले को जटिल करने के लिए, पीएलए ने फिंगर 8 से फिंगर 4 तक एक सड़क का निर्माण किया है, जबकि भारतीय पक्ष को अभी भी सड़क को फिंगर 4 से जोड़ना बाकी है। जबकि भारतीय और चीनी सेना दोनों फिंगर 4 पर 5800 मीटर की ऊंचाई पर हैं, बीजिंग का प्रस्ताव है कि भारतीय सेना इस इलाके को पूरी तरह खाली कर दे। 5-6 मई की रात, पीएलए ने कील वाली क्लबों और छड़ों का उपयोग करते हुए फिंगर 4 पर हमला किया, एक भारतीय सेना के अधिकारी को पैंगोंग त्सो झील में फेंक दिया और भारतीय सैनिकों से भिड़ गए।

भारत ने चीन के उस प्रस्ताव को भी खारिज कर दिया था जिसमें कहा गया था कि विघटन प्रक्रिया के हिस्से के रूप में भारतीय सेना पेंगोंग त्सो के दक्षिण तट पर रेजांग ला -रचिन ला रिज-लाइन को पहले खाली करे।

सुशांत सिंह राजपूत केस

केंद्र सरकार से कोर्ट का सवाल, क्या अत्यधिक मीडिया रिपोर्टिंग से न्याय बाधित होता है?

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने गुरुवार को केंद्र सरकार से यह स्पष्ट करने को कहा कि किसी मामले में चल रही जांच में मीडिया द्वारा अत्यधिक रिपोर्टिंग करना क्या अदालत की अवमानना अधिनियम के तहत न्याय प्रशासन में हस्तक्षेप होगा? मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जी एस कुलकर्णी की पीठ ने सरकार से छह नवंबर तक यह बताने को कहा है कि क्या खबरों की रिपोर्टिंग जांच को एवं इसके बाद चलने वाले मुकदमे को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करती है और क्या अदालत को मीडिया की रिपोर्टिंग पर दिशानिर्देश निर्धारित करना चाहिए? पीठ ने कहा, यदि अत्यधिक रिपोर्टिंग हो रही है, तो यह आरोपी को सतर्क कर सकता है और वह साक्ष्यों को नष्ट कर सकता है या फरार हो सकता है या यदि वह व्यक्ति बेकसूर है, तो मीडिया की जरूरत से ज्यादा रिपोर्टिंग उसकी छवि खराब कर सकती है। अदालत ने कहा, हम यह नहीं चाहेंगे कि मीडिया अपनी लक्ष्मण रेखा लांघे और हम यह भी चाहेंगे कि हम लोग भी अपनी सीमाओं के अंदर रहें। साथ ही, पीठ ने सरकार से पूछा कि क्या इस तरह की रिपोर्टिंग दखलंदाजी होगी और क्या सरकार ने सोचा है कि उच्च न्यायालय के पास दिशा-निर्देश तय करने का अधिकार क्षेत्र है? उच्च न्यायालय ने कहा, %क्या मीडिया की अत्यधिक रिपोर्टिंग अदालत की अवमानना अधिनियम की धारा 2 (सी) के तहत न्याय प्रशासन में हस्तक्षेप है और क्या हमें दिशानिर्देश निर्धारित करना चाहिए? हमारे समक्ष यह मुद्दा है। अदालत ने अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल (एएसजी) अनिल सिंह से उन परिदृश्यों पर भी विचार करने को कहा, जहां किसी मामले की चल रही जांच पर इस तरह की रिपोर्टिंग ने जांच अधिकारी (आईओ) को प्रभावित किया हो, या इसके परिणामस्वरूप गवाहों को धमकी मिली हो।

मोदी ने केवडिया में आरोग्य वन, एकता मॉल, बच्चों के लिए न्यूट्रीशन पार्क का उद्घाटन किया

केवडिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के नर्मदा जिले के केवडिया में ''स्टैच्यू ऑफ यूनिटी%% के निकट नवनिर्मित आरोग्य वन, एकता मॉल और बच्चों के लिए पोषक पार्क का उद्घाटन किया। आरोगय वन में 15 एकड़ में औषधीय गुणों से युक्त पौधे लगाए गए हैं। इसमें 380 प्रजाति के पांच लाख पेड़ हैं। योग व आयुर्वेद को ध्यान में रखते हुए इसका विकास किया गया। दो दिवसीय दौरे पर आज गुजरात पहुंचे प्रधानमंत्री ने पहले गांधीनगर में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री केशुभाई पटेल और गुजराती सिनेमा के सुपरस्टार नरेश कनोडिया व उनके संगीतकार भाई महेश कनोडिया को श्रद्धांजलि अर्पित की। यहां से प्रधानमंत्री केवडिया पहुंचे और आरोग्य वन का लोकार्पण किया। उन्होंने राज्यपाल आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के साथ इसका अवलोकन भी किया।

प्रधानमंत्री ने एकता मॉल का भी उद्घाटन किया। इस मॉल में भारत की मौजूदा हस्तकलाओं और पारंपरिक उत्पादों का प्रदर्शन किया गया है। यहां पर पूरे देश से आए उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक उसका उद्देश्य एकता का संदेश देना है। यह मॉल 35 हजार वर्गफुट में फैला हुआ है। मॉल में 20 एम्पोरियम हैं, जो प्रत्येक राज्य का प्रतिनिधत्व करते हैं। एकता मॉल को केवल 110 दिनों में निर्मित किया गया है। प्रधानमंत्री ने बच्चों के लिए पोषक पार्क का भी उद्घाटन किया। उन्होंने पार्क का भ्रमण किया और बच्चों को आकर्षित करने वाली विभिन्न सुविधाओं का अवलोकन किया। यह दुनिया का पहला प्रौद्योगिकी आधारित पार्क है जो 35 हजार वर्गफुट

में फैला हुआ है। पार्क में एक न्यूट्री ट्रेन की भी व्यवस्था है, जिसके स्टेशन के नाम भी काफी रोचक रखे गए हैं।जिनके फलशाखा गृहम, पायोनागिरी, अन्नपूर्णा, पोषण पुराण, स्वस्थ भारत नाम दिए गए हैं।

प्रधानमंत्री ने न्यूट्री ट्रेन की सवारी करते हुए विभिन्न स्टेशनों का मुआयना किया। इस पार्क का उद्देश्य विभिन्न गतिविधियों के जरिए पोषक भोजन के प्रति जागरूकता फैलाना है। पार्क में इसके लिए मिरर मेज, 5डी वर्चुअल रियल्टी थिएटर और ऑगमेंटेंड रियल्टी गेम की भी व्यवस्था की गई है। मार्च में कोरोना वायरस महामारी फैलने के बाद से मोदी का अपने गृह राज्य गुजरात का यह पहला दौरा है। इस दौरान वह केवडिया और अहमदाबाद के बीच समुद्री विमान सेवा की शुरुआत भी करेंगे। वह सरदार पटेल जुओलॉजिकल पार्क 'जंगल सफारी' का उद्घाटन करेंगे, जो भारत के 'लौह पुरुष' की 182 मीटर लंबी प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के पास स्थित है। मोदी अपनी यात्रा के दौरान स्वतंत्र भारत के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल को 31 अक्टूबर को उनकी जयंती के दिन 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' जाकर श्रद्धांजलि भी अर्पित करेंगे।

इन परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन

वे स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के निकट बनाई गई जेट्टी से श्रेष्ठ भारत भवन के पास स्थित जेट्टी तक 40 मिनट की राइड में बैठने से पहले 9 अन्य परियोजनाओं का भी लोकार्पण करेंगे। इनमे जेट्टी और बोटिंग (एकता क्रूज), नेविगेशन चैनल, नया गोरा ब्रिज, गरुड़ेश्वर वीयर, एकता नर्सरी, खलवाणी ईको टूरिज्म, सरकारी कॉलोनियां, बस टर्मिनस तथा होम स्टे सम्मिलित हैं।

प्रधानमंत्री स्टेच्यू ऑफ यूनिटी एरिया डेवलपमेंट एंड टूरिज्म गवर्नेंस अथॉरिटी के प्रशासनिक भवन, सरकारी कॉलोनियों, एसआरपी क्वार्टर्स तथा केवड़िया के आसपास के पांच गांवों के प्रभावितों को बसाने के लिए सभी मूलभूत सुविधा युक्त 400 मकान वाली आदर्श ग्राम कॉलोनी सहित 4 नयी परियोजनाओं का शिलान्यास भी करेंगे।

ऑफ यूनिटी के आसपास के लगभग 25 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में एक अरब लाइट से स्थायी रूप से सुसज्जित की गई डेकोरेटिव लाइटिंग तथा सरदार सरोवर डैम की खास डिजाइन की गई डेकोरेटिव लाइटिंग का भी प्रधानमंत्री उद्घाटन करेंगे।

प्रधानमंत्री देश के पहले सी-प्लेन के जरिए केवड़िया से अहमदाबाद प्रस्थान करने के लिए तालाब नं. 3 के वाटर ड्रोम का उद्घाटन सरदार पटेल की जयंती पर करेंगे।

देश भर में सड़कों पर उतरे हजारों मुसलमान, फ्रांस का जलाया झंडा दी ये चेतावनी

भोपाल। फ्रांस में इस्लामिक कट्टरवादियों के खिलाफ की जा रही सख्त कार्रवाई के विरोध में देश भर के मुसलमान एक बार फिर CAA विरोधी आंदोलन की तरह सड़कों पर उतरने लगे हैं. मुसलमानों ने शुक्रवार को अलग- अलग शहरों में प्रदर्शन करके राष्ट्रपति इमैन्युअल मैक्रां के पोस्टर जलाए. साथ ही फ्रांस के झंडे में आग भी लगाई गई.

कांग्रेस विधायक ने हजारों लोगों के साथ प्रदर्शन किया

भोपाल में कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद की अगुवाई में शुक्रवार को प्रदर्शन किया गया. इकबाल मैदान में हुए इस प्रदर्शन में हजारों मुसलमान उमड़ पड़े. इस दौरान भड़काऊ भाषण करते हुए फ्रांस के अल्लाह की शान में गुस्ताखी करने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी गई. लोगों ने मैक्रां के पुतले के साथ मारपीट भी की.

मुंबई में भी सड़कों पर उतरे मुसलमान

मुंबई में रजा अकादमी के नेतृत्व में सैकड़ों मुसलमानों ने फ्रांस के खिलाफ प्रदर्शन किया. इस दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई. मुंबई के मुस्लिम बहुल भिंडी बाजार इलाके में सड़कों पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैन्युअल मैक्रां के फोटो वाले पोस्टर्स चिपका दिए गए।

इंडियन नेवी ने दागी एंटी-शिप मिसाइल, लंबी दूरी तक मार करने में सक्षम

नई दिल्ली: भारतीय नौसेना ने शुक्रवार (30 अक्टूबर) को गाइडेड मिसाइल कार्वेट INS कोरा से एंटी-शिप मिसाइल का सफलपूर्वक परीक्षण किया. इस संबंध में भारतीय नौसेना ने एक बयान जारी करते हुए कहा, बंगाल की खाड़ी में भारतीय नौसेना के गाइडेड मिसाइल कार्वेट आईएनएस कोरा द्वारा दागी गई एंटी-शिप मिसाइल (एएसएचएम) ने सटीक निशाने के साथ अधिकतम रेंज तक अपने लक्ष्य को टारगेट किया है। इंडियन नेवी ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर इस सफल परीक्षण की कुछ तस्वीरें भी शेयर की हैं जिनमें एंटी-शिप मिसाइल निशाना साधते हुए दिख रही है. मालूम हो कि कुछ समय पहले ही भारतीय नौसेना द्वारा एक वीडियो भी जारी किया गया

इंडियन नेवी ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर इस सफल परीक्षण की कुछ तस्वीरें भी शेयर की हैं जिनमें एंटी-शिप मिसाइल निशाना साधते हुए दिख रही है.

था. इस वीडियो में युद्धपोत INS प्रबल से एक पुराने जहाज को निशाना बनाते हुए एंटी-शिप मिसाइल लॉन्च की गई थी और इसका निशाना इतना सटीक था कि टारगेट शिप समुद्र में डूब गई थी.

अक्टूबर में दिल्ली की ठंड ने तोड़ा 26 सालों का रिकॉर्ड, अभी और भी नीचे जाएगा पारा

नई दिल्ली। दिल्ली समेत उत्तर भारत में सर्दियों ने दस्तक दे दी है। भारत के मौसम विभाग के वैज्ञानिकों ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में गुरुवार को न्यूनतम तापमान 12.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अक्टूबर में पिछले 26 सालों में इतना कम तापमान नहीं देखा गया है। ऐसा बादलों की हल्की परत और हवा की धीमी गति की वजह से देखा गया। आईएमडी के अनुसार, वर्ष के इस समय का सामान्य न्यूनतम तापमान 15-16 डिग्री सेल्सियस है। आईएमडी के क्षेत्रीय पूर्वानुमान केंद्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा, पिछली बार अक्टूबर में दिल्ली में ऐसा कम तापमान जो 1994 में दर्ज किया गया था। 31 अक्टूबर, 1994 को शहर का

न्यूनतम तापमान 12.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। 31 अक्टूबर, 1937 को शहर ने इस महीने का सबसे कम तापमान - 9.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया था। आईएमडी के वरिष्ठ वैज्ञानिक ने कहा कि क्लाउड कवर की अनुपस्थिति साल के इस समय सामान्य से कम तापमान होने का कारण थी। उन्होंने कहा, इसके पीछे मुख्य कारण यह है कि हमारे पास बहुत अधिक बादल कवर नहीं थे, जिससे सतह तेजी से ठंडी हो जाती है। अगले दो-तीन दिनों में भी न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

आईएमडी के वैज्ञानिक ने कहा कि न्यूनतम तापमान 1 नवंबर तक दिल्ली में 11 डिग्री सेल्सियस तक गिरने की संभावना है। कम तापमान और कम हवा की गति भी शहर में वायु प्रदूषण को बढ़ाती है - जो हर साल सर्दियों की शुरुआत के साथ एक वार्षिक स्वास्थ्य संकट बन गया है। आईएमडी के पर्यावरण निगरानी अनुसंधान केंद्र के प्रमुख वीके सोनी ने कहा, प्रदूषण के स्तर को निर्धारित करने में तापमान बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। यदि सुबह का तापमान कम होता है तो प्रदूषण के कण जमीन के करीब फंस जाते हैं। कम तापमान एक कारण था जिसने गुरुवार को प्रदूषण के स्तर को गंभीर क्षेत्र के करीब रखा था।÷ दिल्ली ने गुरुवार को 395 (बहुत खराब श्रेणी) का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक रीडिंग दर्ज की और इससे पहले राजधानी के कुछ क्षेत्रों में हवा की गुणवत्ता गंभीर (400 से ऊपर) थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सही नक्शे का प्रसार

निजी डाटा सुरक्षा पर बनी संसदीय समिति ने भारतीय नक्शे के गलत प्रतिनिधित्व पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर को एफिडेविट देकर माफी मांगने के लिए बाध्य ही नहीं किया, देश में काम कर रही दुनिया भर की कंपनियों को उनकी हद बताने का नक्शा भी खींच दिया है। हालांकि, संसदीय समिति के सामने पेशी से बहुत पहले ही ट्विटर इस मसले पर माफी की मुद्रा में आ गया था। जब यह खबर मिली कि ट्विटर के एक लाइव प्रसारण में न सिर्फ लद्दाख, बल्कि जम्मू-कश्मीर तक को चीन का हिस्सा बताकर टैग किया गया है, तभी सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इस पर कड़ी चेतावनी जारी कर दी थी। यह स्थिति तब है, जब ट्विटर समेत सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को भारत में खुलकर अपना नेटवर्क और कारोबार फैलाने की छूट है, जबकि चीन में उन्हें तरह-तरह की पाबंदियों से गुजरना पड़ता है। ट्विटर पर तो वहां लगभग पाबंदी ही है। अभी कुछ ही दिन पहले गलत नक्शे का एक मामला ऑनलाइन कारोबार करने वाली कंपनी अमेजन के खिलाफ भी उठा था और उसे भी माफी मांगनी पड़ी थी। अच्छी बात यह है कि सरकार ने इन मामलों में अब सख्ती दिखानी शुरू कर दी है। भारत की तरफ से इस तरह की सख्ती इसलिए भी जरूरी थी कि सोशल मीडिया पर भारत के गलत नक्शों की भरमार है। अगर इसे रोकना है, तो इस सख्ती को न सिर्फ जारी रखना होगा, बल्कि आगे तक ले जाना होगा। इस पर भारत सरकार और उसकी विभिन्न संस्थाओं को गंभीरता से काम करना होगा। समस्या का एक पहलू यह भी है कि इंटरनेट पर भारत के सही नक्शे बहुत ही कम उपलब्ध हैं। यहां तक कि भारतीय मीडिया संस्थाओं, कंपनियों और शिक्षा संस्थानों को भी जब किसी तरह के नक्शे की जरूरत होती है, तो उन्हें इसके लिए काफी जूझना पड़ता है। और देश से बाहर के संस्थानों, कंपनियों, नक्शानवीसों, कार्टोग्राफर, कलाकार वगैरह को जब भारत के किसी नक्शे की जरूरत होती है, तो ज्यादा आशंका यही है कि उन्हें गलत नक्शा ही मिलेगा। वे अक्सर बिना किसी गलत मंशा के, अनजाने में गलत नक्शे सिर्फ इसलिए पेश कर रहे होते हैं कि उन्हें न तो इसका कोई ज्ञान होता है और न ही उनके पास इसका विकल्प होता है। इसे देखते हुए जरूरी यह है कि बड़ी संख्या में तरह-तरह के सही नक्शों को उपलब्ध कराया जाए। भारत में नक्शों को तैयार करने और उन्हें जारी करने काम सर्वे ऑफ इंडिया करता है। यह संस्था एक ऐसी वेबसाइट तो शुरू कर ही सकती है, जहां हाई-रिज्योलूशन में हर तरह के नक्शे उपलब्ध हों। इसके अलावा अगर किसी विदेशी वेबसाइट पर कोई गलत नक्शा दिखता है, तो उस पर विरोध दर्ज कराने की संस्थागत व्यवस्था का होना भी बहुत जरूरी है। इन तरीकों से भारत के सही नक्शों का न सिर्फ प्रसार हो सकेगा, बल्कि उन्हें लेकर एक तरह की जागरूकता भी दुनिया भर में पैदा की जा सकेगी। समस्या का एक और पहलू भी है। इस समय दुनिया में नक्शों और ग्लोब वगैरह का सबसे ज्यादा उत्पादन व व्यापार चीन से हो रहा है। और वहीं से ये नक्शे दुनिया भर में फैल रहे हैं। यह एक ऐसा मोरचा है, जहां चीन को व्यापार के स्तर पर ही मात देनी होगी। भारत के गलत नक्शों को रोकने की लड़ाई हमें कई स्तरों पर लड़नी होगी। इस शुरुआत को बहुत आगे ले जाने की जरूरत है।

आज के ट्वीट

सुविधा

कोविड-19 महामारी के दौरान राज्य सरकार ने संवेदनशील निर्णय करते हुए अस्थि विसर्जन के लिए निशुल्क मोक्ष कलश स्पेशल बस जैसी मानवीय योजना शुरू की। इससे संकट के इस समय में जरूरतमंद लोगों को अपने परिजनों की अस्थि विसर्जन के धार्मिक एवं पारिवारिक दायित्व के निर्वहन में सुविधा मिली। -- मु. अशोक गहलोत

गरिमा बहाली हेतु प्रतिबद्धता जरूरी

अश्विनी कुमार

इक्कीस अक्तूबर को भारत में भी 'विश्व गरिमा दिवस' मनाया गया, इस मौके पर थॉमस पायने की मशहूर पंक्ति याद आ रही है '...महत्व वाले ध्येय पाने के प्रयासों पर अक्सर दैवीय कृपा नहीं होती' अर्थात्‌ कड़े प्रयासों से प्राप्ति होती है। विडंबना है कि आजादी के सात दशक में राष्ट्रीय आकांक्षाओं के निर्धारण में हमारा इतिहास त्रुटियों से भरा रहा है और यदि कोई हमसे इसको लेकर जवाबतलबी करे तो जायज है। विश्व भूख-सूचकांक में 14 करोड़ कुपोषित बच्चों वाला भारत 107 मुल्कों की सूची में 94वें पायदान पर है। देश में निर्बाध होते बलात्कार, एनकाउंटर में मारना, हिरासत में यातना, बुजुर्गों-बच्चों से दुर्व्यवहार, मानवाधिकार हनन के बेरोकटोक मामलों के नतीजे में बहुसंख्यक वंचित समाज की गरिमा और ज्यादा हाशिए पर सरक गई है। बाहुबली बने राज्य द्वारा नागरिक की मूल स्वतंत्रता को घटाते जाना बंधुत्व बनाने का वह संवैधानिक वादा, जिसके तहत व्यक्ति की निजी गरिमा बरकरार रखना मुख्य अवयव है- इसका मखौल बनाना है। हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय ने नवतेज जौहर मामला (2018) में अनुच्छेद 21 ('नागरिक को जीने का हक है') का हवाला देते कहा है ः 'गरिमा का अभाव होना उस ध्वनि जैसा है... जिसे सुना नहीं जा सकता।' परंतु आज व्यक्ति की गरिमा का अनेकानेक रूपों में होता हनन एक दुखद हकीकत है। कार्यपालिका और न्यायपालिका की भूमिका वाले हालिया दूरगामी महत्व के प्रसंगों में जिस तरह संविधान में प्रदत्त 'गरिमा का वादा' को बढ़ावा देने में इनकी संस्थागत असफलता रही है, उसे देखकर चिंता होती है। एक अभूतपूर्व पत्र में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर शिकायत की है कि एक वरिष्ठ जज महोदय, जो आंध्र प्रदेश न्यायालय के कुछ न्यायमूर्तियों के कामकाज की नजरसाज़ी करते हैं, उन्होंने उनके काम में दखलअंदाजी कर सूबे की उच्च न्यायपालिका की संस्थागत शुचिता एवं गरिमा को ठेस पहुंचाई है। मामला सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के विचाराधीन आ गया तब इस संवेदनशील विषय पर अपना पत्र सार्वजनिक करके मुख्यमंत्री ने न्यायिक अधिकारियों के साथ अन्याय किया है। जहां एक ओर संबंधित न्यायाधीश पदग्रहण करते वक्त ली गई शपथ की गरिमा बचाने को बाध्य हैं, वहीं मुख्यमंत्री खुद संवैधानिक अनुशासन का पालन करने से बच नहीं सकते और उनसे सत्यपरायणता के उच्च मानदंड निभाने की अपेक्षा है। लेकिन क्या सिर्फ मुख्यमंत्री के खिलाफ आपराधिक अवमानना का मामला दर्ज करवा देने भर से उच्च न्यायालय की गरिमा वापस आ जाएगी? मुख्यमंत्री की हरकत में साफ बदनीयत दिखाई देती है, इसको आधार बनाकर केवल आपराधिक अवमानना का मामला बनाने से ही साख और नैतिकता बहाल करने हेतु दंडात्मक कानूनी कार्रवाई पूरी हो जाएगी? बरादाकांता मिश्रा मामले (1974) में आए फैसले की एक पंक्ति के मुताबिक ः 'क्या अवमानना का मामला' एकदम स्पष्ट और वाजिब शुबाह से परे है या नहीं'। उसका निर्धारण, मुलगांवकर मामले 1978 में कही पंक्ति ः 'लक्षणों के खुलासे से पता चलती मनोस्थिति ज जो संवैधानिक एवं अन्य सोच-विचार का पुंज है', इसे हो सकता है। 'जटिल स्थिति का विश्वसनीय समाधान वास्तव में ज्ञान की बुद्धिमता और संवैधानिक न्याय को बढ़ावा देने में अंतर-संस्थागत समर्था का इम्तिहान है। यह एक संयमित और 'जज-ज्यूरी-जल्लाद' से मिलकर बना, किंतु कभी-कभार इस्तेमाल होने वाला, असामान्य अधिकार क्षेत्र है (एससीबीए 2008), जो 'राजसी उदारवाद' की छाया में अवमानना की वैधता में इजाफा करता है, और हाल तक, अदालत का पसंदीदा तरीका था' (मुलगांवकर 1978, विजय कुर्ले, 2020) 'ऐसा इसलिए क्योंकि उच्च न्यायपालिका की शक्ति और गरिमा, संवैधानिक सिद्धांतों का संरक्षक होने के नाते, न्यायाधीशों की अतिशय शक्तियों पर आधारित न होकर, दिए गए न्याय और शुचिता वाले दृष्टिकोण से उपजी श्रद्धा एवं सम्मान पर टिकी होती है' (बरादाकांता मिश्रा मामला)। न्यायपालिका की प्रतिष्ठा इसकी नैतिक सच्चाई में निहित है। न्यायालय की महानता निष्पक्षता, सततता और फैसलों में दिखाई बौद्धिक ईमानदारी में होती है और इन पर सार्वजनिक परीक्षण और निष्पक्ष टिप्पणी के लिए खुलापन अवश्य रखा जाना चाहिए। न्यायपालिका की साख, अंतिम विश्लेषण में, इस तरह काम करने में है कि फैसले समाज की नब्ज को छुएं और उन्हें लगे कि दिया गया इंसाफ मानो साझा समस्याओं पर दिया गया है। हालांकि, न्यायिक अतिशयोक्ति और न्यायिक उदासीनता, दोनों ही, न्यायपालिका की प्रतिष्ठा के लिए घातक हैं। बेलगाम मीडिया, विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक्स और सोशल, अनुच्छेद 21 में प्रदत निष्पक्ष सुनवाई और कानूनी प्रक्रिया के वादे को सरासर धत्ता बताता है। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसलों में समांतर मीडिया-मुकदमा चलाने पर पाबंदियां लगाई हैं, क्योंकि इससे न्याय की प्रक्रिया पर असर पड़ता है। फिर भी सर्वोच्च न्यायालय की आंखों के सामने ढिठाई से यह लोग अपना अवैध काम जारी रखे हुए हैं। सुशांत सिंह राजपूत और कंगना रनौत वाला प्रसंग इस विद्रूपता की मिसाल है। कुछ मामले जिनमें सर्वोच्च न्यायालय ने गहरे और जीवंत फैसले दिए हैं ः एम नागराज (2006), केएस पुत्तुस्वामी (2017), रोमिला थापर (2018), नाम्बी नारायण (2018), नवतेज जौहर (2018), तहसीन पूनावाला (2018) इत्यादि। इन सब में व्यक्ति की गरिमा बरकरार रखने को सर्वप्रथम संवैधानिक सिद्धांत बताया है, परंतु लगता है यह पवित्र संवैधानिक घोषणा महज दोहराने भर को रह गई है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सुनाए गए फैसलों को लागू करवाने में संस्थागत अक्षमता- जिसके बिना न्याय की घोषणा बेमानी है- इससे न्यायपालिका की साख पर आंच आई है। 'लग रहा है सर्वोच्च न्यायालय ने कानून की अनुरूपता, निष्पक्षता, आवश्यकता और प्रकाशन का प्रसार मुल्तवी रखने वाले सिद्धांतों की अवहेलना को रोजमर्रा की बात मानकर चुपचाप स्वीकार कर लिया है, सुनवाई के दौरान मीडिया की बेजा कवरेज के संबंध में यह असहनीय है' (आर राजागोपाल 1962, सहारा 2012)। रोमिला थापर मामले में न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने खंडपीठ से असहमति जताते हुए दिए अपने फैसले में स्वागतयोग्य टिप्पणी की थी ः 'परंतु न्यायिक फैसलों के बुलंद शब्दों वाले फरमान जनता के लिए तब तक बेमानी हैं जब तक कि मानव-स्वतंत्रता बरकरार रखने की संवैधानिक मुहिम नागरिक को न्याय सुनिश्चित करवाने में परिवर्तित नहीं हो जाती... अदालतें संवैधानिक सरोकारों को रौंदकर व्यक्ति की निजी गरिमा को सुरक्षित रखने की चिंता से विमुख नहीं हो सकती।' सर्वोच्च न्यायालय को खुद अपने दिए फैसलों को याद रखना होगा ः 'अदालत द्वारा कानून की घोषणा के अधिकार में इसका अनुशासित पालन करवाना अंतर्निहित है' (बरादाकांता मिश्रा) उम्मीद करें कि मीडिया-मुकदमों को लेकर ऊंची अदालतों में लंबित कई मामलों में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा कालांतर घोषित किए गए कानून को लागू करने के लिए एक प्रभावशाली क्रियान्वयन तंत्र स्थापित किया जाएगा। लेखक पूर्व केंद्रीय न्यायमंत्री हैं। ये लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं।

ज्ञान गंगा

दुख-पीड़ा

जग्गी वासुदेव/ जीवन और मृत्यु का स्वभाव क्या है, यह जानने के लिए सभी तरह की चीजें की गई हैं। पर आप इसके बारे में सोच कर या प्रयोग कर के इसको समझ नहीं सकते। सिर्फ अनुभव से ही आप इसे समझ सकते हैं। जब भी लोग मृत्यु और 'मृत्यु के बाद क्या होता है' के बारे में मुझसे सवाल करते हैं तो मैं उन्हें याद दिलाता हूं कि इसे अनुभव से जानना ही सबसे अच्छा है। मेरा मतलब यह नहीं है कि उन्हें मर जाना चाहिए। मेरा कहना यह है कि आपको अपने अंदर के जीवन के बारे में जानना चाहिए। आप अगर सिर्फ अपने शरीर का अनुभव कर रहे हैं तो मैं चाहे कुछ भी कहूं, आप उलटा ही समझेंगे। अगर आपके जीवन का अनुभव केवल आपके मानसिक और शारीरिक ढांचे तक ही सीमित है, तो आप इस आयाम तक नहीं पहुंच सकते। मृत्यु और उसके बाद जो कुछ भी है, वो कोई ऐसे रहस्य नहीं हैं जो किसी स्वर्ग या नर्क में छिपे हुए हैं- वे यहीं पर हैं, अभी हैं। बात बस यह है कि अधिकतर मनुष्य इस ओर पर्याप्त ध्यान नहीं देते क्योंकि वे बाकी चीजों के साथ बहुत व्यस्त रहते हैं। उनके लिए उनका पेशा, उनका कारोबार उनके जीवन से भी ज्यादा महत्त्वपूर्ण है। उनके लिए उनका प्यार संबंध उनके जीवन से भी ज्यादा महत्त्वपूर्ण है। उनके पड़ोस के किसी व्यक्ति के साथ उनकी छोटी-सी समस्या उनके जीवन से भी ज्यादा महत्त्वपूर्ण है। वे कैसे कपड़े पहनते हैं, ये उनके जीवन से बहुत ज्यादा महत्त्वपूर्ण है। ये सिर्फ कुछ ही उदाहरण हैं।चूंकि जीवन के बारे में आपके विचार गलत हैं, तो जीवन आपसे दूर ही रहता है। वास्तव में जीवन आपसे दूर नहीं होता, आप उससे बच-बच कर रहते हैं। जीवन आपको टालने की, आपसे दूर जाने की कोशिश नहीं करता, आप ही उससे दूर रहते हैं। आपके जीवन के कड़वे, दर्द-भरे अनुभव आपको जीवन की वजह से नहीं हुए थे। वे अपने मन और शरीर को संभालने की आपकी अयोग्यता की वजह से हुए थे। जीवन ने कभी आपको कोई दर्द या पीड़ा नहीं दी है। यह सिर्फ आपके मन और शरीर के कारण हुए हैं। आप जानते ही नहीं कि अपने शारीरिक और मानसिक ढांचे को कैसे संभालें? आपको कुदरत ने दो अद्भुत साधन दिए हैं पर आपने उनको बिगाड़ दिया है। आपके सभी दुख और पीड़ाएं बस आप ही की वजह से हैं। जीवन की वजह से नहीं।

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तिनका-तिनका जोड़ ज्ञान ज्योति जलाने का जुनून

अरुण नैथानी

पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने चर्चित कार्यक्रम 'मन की बात' में चंडीगढ़ के संदीप कुमार द्वारा गरीब विद्यार्थियों का भविष्य संवारने वाले अभिनव शिक्षा अभियान का जिक्र किया। इससे पहले चंडीगढ़ के अधिकांश लोग इस युवक के पुरुषार्थ व सेवा की मुहिम से परिचित नहीं थे। प्रधानमंत्री की टिप्पणी से संदीप और उनके स्वयंसेवी संगठन के कार्यकर्ता खासे उत्साहित हैं। वे सुर्खियों में हैं और उनका मनोबल बढ़ा है। हरियाणा के जिला भिवानी की तहसील तोशाम स्थित गांव ढाणीमाऊ के संदीप कुमार एक बेहद संवेदनशील इंसान हैं। जब जेबीटी के प्रशिक्षण के लिये वे हरियाणा गये तो उन्होंने देखा कि तीसरी क्लास के बहुत सारे छात्र-छात्राओं के पास पढ़ाई की मूलभूत चीजें—किताब, रजिस्टर व पेंसिल आदि तक नहीं हैं। इस बाबत जब उन्होंने अभिभावकों से बात की तो पाया कि उनके पास इतने पैसे तक नहीं थे जो ठीक से खाना भी खा सकें। इसके बाद संदीप ने संकल्प लिया कि निर्धन बच्चों के लिये शिक्षा सामग्री जुटाने के लिये समाज के लोगों को जागरूक किया जाना चाहिए। चंडीगढ़ आने के बाद संदीप ने सोचा कि सिटी ब्यूटीफुल कहे जाने वाले इस शहर की स्लम बस्तियों का अवलोकन किया जाये। क्या यहां भी ऐसे परिवार हैं जो अपने बच्चों को पढ़ने-लिखने का सामान तक नहीं दे पाते। उन्होंने पाया कि यहां की स्लम बस्तियों में स्थिति और ज्यादा बदतर है। दरअसल, चंडीगढ़, पंचकूला व मोहाली में बड़ी संख्या में स्लम बस्तियां हैं, जहां बिजली-पानी जैसी मौलिक सुविधाओं का भी अभाव है। संदीप ने इन बस्तियों के बच्चों के लिये काम करने का संकल्प लिया। फिर इस तरह शिक्षा अभियान के लिये घर-घर जाकर किताबें एकत्र करने की शुरुआत हुई। लोगों को जागरूक किया गया। शुरू में तो दिक्कत जरूर हुई लेकिन लोगों को विचार अच्छा लगा। लोग मदद के लिये आगे आये। शिक्षा प्रसार में सहायक चीजों की उपलब्धता बढ़ती गई। फिर अभियान में नये कार्यक्रम जुड़ते गये। लोगों से पुरानी किताबें एकत्र की गईं और जरूरतमंदों तक पहुंचायी गईं। सोशल मीडिया के जरिये जरूरतमंदों से संपर्क किया गया। संदीप ने पास के खुड्डा लाहौरा में कमरा लेकर अपने 'ओपन आइज फाउंडेशन' का कार्यालय व लाइब्रेरी खोली। धीरे-धीरे कई जागरूक लोग संगठन से जुड़े। संदीप बताते हैं कि इसके लिये तेरह हजार रुपये का किराया वे अपनी जेब से देते हैं। बाकी संगठन के सदस्य व स्वयंसेवक सहयोग करते हैं। लोगों से पुरानी चीजें एकत्र करते हैं। पुरानी किताबें, कापी और पेन लेकर उन्हें उपयोगी बनाया जाता है। संदीप कहते हैं जब इरादा नेक हो और मन में संकल्प हो तो सभी काम पूरे होते हैं। साधन जुटते चले जाते हैं। वे बताते हैं कि आज संगठन से पांच सौ सदस्य व स्वयंसेवक जुड़े हैं, जिनमें ज्यादातर कॉलेज के विद्यार्थी, अध्यापक, प्रोफेसर, वकील, डाक्टर और विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित लोग शामिल हैं। यह पूछे जाने पर कि अपने मूल राज्य हरियाणा में भी किसी ऐसे अभियान के बारे में सोचा है। वे कहते हैं कि मन में इच्छा भी है और इरादा भी, यदि कहीं हमें जगह मिल जाये तो ऐसे अभियान की शुरुआत कर सकते हैं। बल्कि हमें मौका मिले तो हम पूरे देश में ऐसी मुहिम चलाने की मंशा रखते हैं। प्रधानमंत्री की तारीफ पर कैसा लगा? इस पर संदीप कहते हैं कि निस्संदेह इससे हमारी टीम का मनोबल बढ़ा कि हमारे काम को पहचान मिल रही है। पहले पंजाब के मुख्यमंत्री ने भी तारीफ की, लेकिन किसी सरकार से मदद नहीं मिली। कोई जगह मिल जाये तो हम अपने अभियान को बड़े पैमाने पर चला सकते हैं। वे बताते हैं कि कंसल्टेंसी व ई-कॉमर्स के जरिये वे जीवनयापन करते हैं और बचे धन को इस पुनीत काम में लगाते हैं। 28 वर्षीय संदीप का परिवार चंडीगढ़ में ही रहता है। पिता राजकुमार उनके बीच नहीं रहे, मां व भाई-भाभी के साथ रहते हैं। मां फूलपति ने तो पहले नाराजगी जताई कि अपने करिअर के बारे में सोचे, कल शादी होगी तो कैसे जिम्मेदारी निभायेगा। लेकिन अब कहती है कि तुझे अच्छा लगता है तो सेवा करता रह। संदीप कहता है कि वह जीवनपर्यंत ब्रह्मचारी रहकर सेवा करना चाहता है ताकि सेवा कार्य पारिवारिक दायित्व निभाने से बाधित न हो। संदीप का संगठन इसके अलावा कई रचनात्मक अभियानों से जुड़ा है। महिला सशक्तीकरण के अभियानों के अलावा स्लम इलाकों में गरीब महिलाओं को निःशुल्क सैनेटरी पैड उपलब्ध कराये जा रहे हैं। साथ ही लॉकडाउन के दौरान मिले समय का लाभ उठाकर दृष्टिबाधित छात्र-छात्राओं के लिये चालीस पुस्तकें रिकॉर्ड करवायी हैं। उन्हें इसके ऑडियो उपलब्ध कराये जायेंगे। इसको लेकर जल्दी ही एक प्रोजेक्ट लॉन्च किया जायेगा। संदीप के प्रयासों से गरीब बच्चों तक किताबें पहुंचाने के लिये एक वैन की व्यवस्था की गई है। संदीप बताते हैं कि उन्होंने डेढ़ लाख में वैन खरीदी और डेढ़ लाख रुपये और खर्च करके उसे अपनी जरूरतों के हिसाब से तैयार किया। उनके प्रयासों से अब तक तीस हजार पुस्तकें बांटी जा चुकी हैं और करीबन पंद्रह हजार छात्र इससे लाभान्वित हुए हैं। भविष्य में ड्रीम प्रोजेक्ट के बारे में वे कहते हैं कि वे एक बड़ी बस में चलती-फिरती लाइब्रेरी तैयार करना चाहते हैं। साथ ही डिजीटल प्लेटफॉर्म के जरिये बच्चों को जीविका-उपार्जन के लिये तैयार करना चाहते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

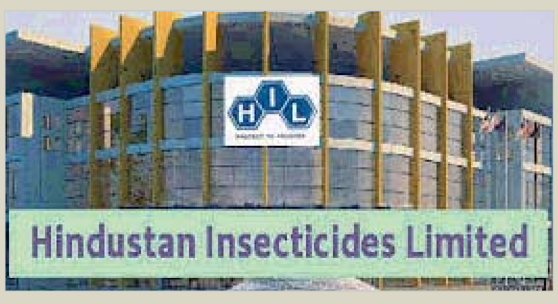

एचआईएल का निर्यात 65 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली. सरकारी स्वामित्व वाली हिंदुस्तान इंसेक्टेसाइड लिमिटेड (एचआईएल) (इंडिया) लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान निर्यात में 65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। हिंदुस्तान इंसेक्टेसाइड लिमिटेड इस अवधि में निर्यात 31 लाख डॉलर का हुआ जा पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 65 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने इस अवधि में दक्षिणी अफ्रीकी देशों, लैटिन अमेरिका और ईरान को डाइक्लोरो डिफेनाइल ट्राइक्लोरोइथेन (डीडीटी) और एग्रोकेमिकल्स का बड़ी मात्रा में निर्यात किया। केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री डी वी सदानंद गौड़ा ने इस प्रभावशाली वृद्धि के लिए हिंदुस्तान इंसेक्टेसाइड लिमिटेड (एचआईएल) प्रबंधन और उनकी टीम की सराहना की। कंपनी ने चालू वर्ष की पहली दो तिमाहियों में 530.10 टन मैलाथियान टेक्नीकल का सर्वोच्च उत्पादन हासिल किया है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में उसने 375.5 टन का उत्पादन किया था। बयान में कहा गया है, ''कंपनी ने पहली दो तिमाहियों में इस उत्पाद की सबसे ज्यादा बिक्री की है और पूरी की पूरी मात्रा को कृषि मंत्रालय के टिड्डी नियंत्रण कार्यक्रम एवं देश भर में नगर निगमों जैसे विभिन्न संस्थानों को उपलब्ध कराया है।''

इंडिया गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र प्रौद्योगिकी आदान-प्रदान करने 25 कोस्टार्टअप से करेगा समझौता

चेन्नई. इंडिया गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र (आईजीसीएआर) ने शुक्रवार को कहा कि वह प्रौद्योगिकी साझा करने के लिये 25 स्टार्टअप के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करेगा। आईजीसीएआर के निदेशक ए के भादुड़ी ने शुक्रवार को कहा कि यह गठजोड़ स्वास्थ्य, पर्यावरण निगरानी और रसायन समेत अन्य क्षेत्रों में होगा। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''सैद्धांतिक रूप से हम हर साल कम-से-कम 25 स्टार्टअप के साथ समझौता करने पर विचार कर रहे हैं। नीति आयोग ने हमें यह लक्ष्य दिया है।'' परमाणु ऊर्जा विभाग के पालना केंद्र (इनक्यूबेशन सेंटर) (शुक्रवार) औपचारिक रूप से सचिव और परमाणु ऊर्जा आयोग के चेयरमैन के एन व्यास ने वीडियो कांफ्रेन्स के जरिये उद्घाटन किया। भादुड़ी ने कहा कि आईजीसीएआर ने विभिन्न कंपनियों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किये हैं। यह समझौता आईजीसीएआर द्वारा पालना केंद्र के जरिये विकसित प्रौद्योगिकी या उत्पादों के अदान-प्रदान के लिये हुआ। इनमें से एक समझौता तमिलनाडु के पेराम्बलुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के साथ हुआ। यह समझौता बीज, फसल और अन्य संबंधित क्षेत्रों में विकिरण से जुड़े अध्ययनों में संयुक्त रूप से अनुसंधान एवं विकास के लिये हुआ है। चेन्नई से 80 किलोमीटर दक्षिण कलपक्कम में प्रस्तावित फास्ट ब्रीडर रिएक्टर की स्थिति से जुड़े एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यह चालू होने के अंतितम चरण में हैं। हालांकि अधिकारी ने इस बारे में विस्तार से कुछ भी बताने से मना कर दिया।

15वें वित्त आयोग ने रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया, 9 नवंबर को राष्ट्रपति को सौंपेगा रिपोर्ट

नयी दिल्ली, 15वां वित्त आयोग 2021-22 से लेकर 2025-26 तक की अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को नौ नवंबर को सौंपेगा। शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक वक्तव्य में यह कहा गया है। आयोग के चेयरमैन एन.के. सिंह ने रिपोर्ट पर शुक्रवार को अपना विचार विमर्श पूरा कर लिया। सिंह तथा आयोग के अन्य सदस्यों ने रिपोर्ट पर हस्ताक्षर कर दिये। आयोग के अन्य सदस्यों में अजय नारायण झा, अनूप सिंह, अशोक लाहिड़ी और रमेश चंद शामिल हैं। वक्तव्य में कहा गया है, ''वित्त आयोग ने राष्ट्रपति से रिपोर्ट सौंपने के लिये समय मांगा है। राष्ट्रपति के कार्यालय ने यह संदेश दिया है कि रिपोर्ट सौंपने का काम 9 नवंबर 2020 को होगा।'' आयोग अगले महीने बाद में अपनी रिपोर्ट की एक प्रति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी सौंपेगा। रिपोर्ट में 2021- 26 के लिये आयोग की सिफारिशें होंगी। इस रिपोर्ट को वित्त मंत्री द्वारा संसद में पेश किया जायेगा। रिपोर्ट के साथ सरकार की तरफ से उठाये गये कदमों की कार्रवाई रिपोर्ट भी शामिल होगी।

कारोबार के अच्छे संचालन के लिए मजबूत निगरानी व्यवस्था है जरूरी: आरबीआई गवर्नर

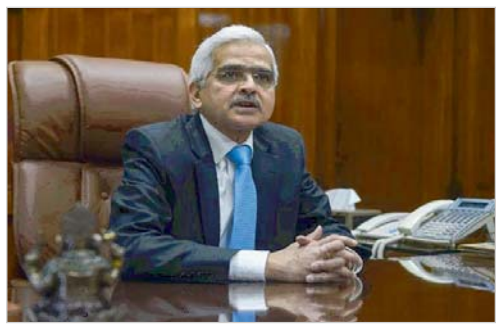

बिजनेस डेस्क:

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने वित्तीय क्षेत्र में निरोधक सतर्कता व्यवस्था मजबूत करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि कारोबार की कुशलता और बेहतर संचालन सुनिश्चित करने के लिए यह जरूरी है। सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2020 के तहत केंद्रीय बैंक द्वारा आयोजित एक परिचर्चा में उन्होंने यह बात कही। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि गवर्नर ने अपने संबोधन में वित्तीय क्षेत्र में संचालन के अच्छे मानक सुनिश्चित करने में सतर्कता की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने दक्षता बढ़ाने के लिए निरोधक सतर्कता व्यवस्था को मजबूत किए जाने की जरूरत पर भी बल दिया। रिजर्व बैंक 27 अक्तूबर से दो नवंबर तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मना रहा है, जिसका विषय है- सतर्क भारत, समृद्ध भारत। इस दौरान केंद्रीय और क्षेत्री कार्यालयों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी के तहत आरबीआई ने सतर्कता से जुड़े दो विषयों पर परिचर्चा का आयोजन किया था। केंद्रीय सतर्कता आयुक्त संजय कोठारी मुख्य अतिथि थे। कोठारी ने सतर्कता व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए प्रणाली में सुधार पर जोर दिया। उन्होंने बैंक अधिकारियों के कैरिअर के विभिन्न चरणों में प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण पर भी जोर दिया।

आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 दिसंबर 2020 तक बढ़ी

नयी दिल्ली, सरकार ने वित्त वर्ष 2019-20 के आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 दिसंबर 2020 किए जाने की अधिसूचना शुक्रवार को जारी कर दी। अधिसूचना के मुताबिक व्यक्तिगत आयकरदाता 31 दिसंबर तक अपना आयकर रिटर्न दाखिल कर सकते हैं। वहीं जो लोग ऑडिट कराने के बाद आयकर रिटर्न दाखिल करते हैं उनके लिए इसकी आखिरी तारीख 31 जनवरी 2021 होगी। नांगिया एंडरसन एलएलपी में सहायक संदीप झुनझुनवाला ने कहा कि सरकार ने आयकर रिटर्न और ऑडिट रपट दाखिल करने की अंतिम तारीख बढ़ा दी है। लेकिन अभी इस बात को लेकर अस्पष्टता है कि क्या यह छूट उन कॉरपोरेट करदाताओं के लिए भी उपलब्ध है जिनके कर का ऑडिट होता है। कोविड-19 के दौर में करदाताओं को राहत देने के लिए सरकार मई के बाद से बार-बार आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि को आगे खिसका रही है। पहले सरकार ने इसे 31 जुलाई, फिर 30 नवंबर तक बढ़ाया था।

विदेशी मुद्रा भंडार 5.4 अरब डॉलर बढ़कर 560.53 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर

मुंबई. देश का विदेशी मुद्रा भंडार 23 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 5.41 अरब डॉलर बढ़कर 560.53 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के हिसाब से इससे पिछले 16 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.61 अरब डॉलर की वृद्धि के साथ 555.12 अरब डॉलर था। समीक्षावधि में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ने की अहम वजह विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों (एफसीए) में बढ़ोत्तरी होना है। यह कुल विदेशी मुद्रा भंडार का बड़ा हिस्सा है। इस दौरान एफसीए 5.20 अरब डॉलर बढ़कर 571.52 अरब डॉलर हो गयीं। विदेशी मुद्रा भंडार में अमेरिकी मुद्रा के अलावा यूरो, पौंड और येन जैसी अंतरराष्ट्रीय मुद्राएं भी शामिल होती हैं। लेकिन इनका मूल्य भी डॉलर में दर्शाया जाता है। रिजर्व बैंक का स्वर्ण भंडार समीक्षावधि में 17.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 36.86 अरब डॉलर हो गया है। इसके अलावा देश को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से मिला विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 80 लाख डॉलर बढ़कर 1.48 अरब डॉलर हो गया। वहीं आईएमएफ के पास जमा देश का विदेशी मुद्रा भंडार भी 2.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.66 अरब डॉलर हो गया।

वैश्विक संकेतों से बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 136 अंक लुढ़का, निफ्टी में 28 अंक का नुकसान

मुंबई,

यूरोप में कोविड- 19 के मामले बढ़ने और अमेरिका में राष्ट्रपति चुनावों से पहले व्याप्त अनिश्चितता से वैश्विक बाजारों में गिरावट का रुख रहा। वैश्विक संकेतों से शुक्रवार को सेंसेक्स और निफ्टी में लगातार तीसरे दिन गिरावट रही। बिकवाली से सेंसेक्स 136 अंक और निफ्टी में 28 अंक घटकर बंद हुये। बंबई शेयर बाजार (बीएसई) का 30 प्रमुख शेयरों पर आधारित सेंसेक्स दिन में 746 अंक तक की घटबढ़ के बाद अंत में पिछले दिन के मुकाबले 135.78 अंक यानी 0.34 प्रतिशत गिरकर 39,614.07 अंक पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 28.40 अंक यानी 0.24 प्रतिशत गिरकर 11,642.40 अंक पर बंद हुआ। बीएसई सेंसेक्स में शामिल शेयरों में भारती एयरटेल में सबसे ज्यादा 3.82 प्रतिशत का नुकसान हुआ। मारुति, बजाज आटो, बजाज फाइनेंस, एचयूएल, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक बैंक के शेयरों में भी गिरावट रही। इसके विपरीत टाटा स्टील, एनटीपीसी, सन फार्मा, नेस्ले इंडिया, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टेक महिन्द्रा, ओएनजीसी और टीसीएस 2.27 प्रतिशत तक लाभ में रहे। बाजार में बड़ा वजन रखने वाले रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में दूसरी तिमाही का परिणाम आने से पहले 1.37 प्रतिशत की बढ़त रही। साप्ताहिक आधार पर सेंसेकस में 1,071.43 अंक यानी 2.63 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई वहीं, निफ्टी सपताह के दौरान 287.95 अंक यानी 2.41 प्रतिशत घट गया। रिलायंस सिक्युरिटीज में संस्थागत व्यवसाय प्रमुख अर्जुन यश महाजन ने कहा, ''कोविड- 19 मामलों के कुछ यूरोपीय देशों में एक बार फिर से जोर पकड़ने से वैश्विक आर्थिक गतिविधियों में सुधार को लेकर निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है।.. वित्तीय और वाहन कंपनियों के शेयरों में प्रमुख तौर पर गिरावट रही जबकि अन्य प्रमुख समूह सूचकांकों में कारोबार की समाप्ति के समय सुधार का रुख रहा।'' महाजन ने कहा, ''आने वाले सप्ताहों के दौरान बाजार में उतार चढ़ाव बढ़ सकता है। - 19 मामलों के बढ़ने से वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर अनिश्चितता और अमेरिका के राष्ट्रपति चुनावों को देखते हुये यह स्थिति रह सकती है। '' बीएसई के दूरसंचार, वाहन, बैंकेक्स, एफएमसीजी, वित्त और प्रौद्योगिकी समूह के सूचकांकों में 2.37 प्रतिशत तक गिरावट रही जबकि रीयल्टी, धातु, ऊर्जा, तेल एवं गैस और बिजली समूह के सूचकांक लाभ में रहे। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई, हांग कांग, सिओल और टोक्यो के बाजारों में गिरावट दर्ज की गई। उधर, यूरोप के शेयर बाजारों में भी शुरुआत गिरावट के साथ हुई। फ्रांस, जर्मनी और अन्य देशों में नये लॉकडाउन से जोखिम बढ़ा है। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट कच्चे तेल का भाव 0.58 प्रतिशत बढ़कर 38.48 डालर प्रति बैरल पर बोला गया।

रिफाइनरी के बुनियादी ढांचे का काम जोरों पर, अब तक 4500 करोड़ रुपये खर्च

जयपुर, बाड़मेर में प्रस्तावित पेट्रोलियम रिफाइनरी के लिए आधारभूत संरचनाओं निर्माण का काम तेजी से चल रहा है और इस परियोजना में अब तक 4654 करोड़ रुपये के काम पूरे हो चुके हैं। अतिरिक्त मुख्य सचिव पेट्रोलियम डॉ. सुबोध अग्रवाल ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एसपीसीएल राजस्थान रिफायनरी (एचआरआरएल) की इकाइयों में आधारभूत संरचनाओं के काम में तेजी आई है वहीं रिफायनरी परियोजना में 4654 करोड़ रुपये के काम पूरे हो चुके हैं। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि रिफाइनरी के मुख्य वेयरहाउस का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा यह रिफाइनरी राजस्थान सरकार का सपना है और यही कारण है कि राज्य सरकार और रिफ़ाइनरी प्रबंधन का संयुक्त प्रयास है कि रिफायनरी परियोजना का कार्य निर्धारित समय सीमा अक्टूबर 2022 तक पूरा कर मार्च 2023 तक यहां से व्यावसायिक उत्पादन शुरू किया जाए। उन्होंने बताया कि रिफाइनरी प्रबंधन ने कोरोना वायरस संक्रमण के कारण प्रभावित कार्य को तय समय सीमा में पूरा करने की रणनीति बनाई है। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बाड़मेर रिफायनरी एसपीसीएल राजस्थान रिफायनरी की बोर्ड मीटिंग में रिफायनरी परियोजना की प्रगति और कार्ययोजना के अनुसार तय समय सीमा में कार्य पूरा कराने के सभी बिन्दुओं पर चर्चा की।

भारत के अनुभव का इस्तेमाल अमेरिका में चुनावों में दुरुपयोग रोकने के लिए कर रहा है फेसबुक: जुकरबर्ग

नयी दिल्ली. फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने कहा है कि सोशल मीडिया मंच द्वारा उठाए गए कदमों से भारत सहित दुनिया भर में 200 से अधिक विभिन्न चुनावों की सुचिता की रक्षा करने में मदद मिली है। साथ ही इसने अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव अभियान में फेसबुक के नेटवर्क के दुरुपयोग को रोकने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जुकरबर्ग ने कहा कि अगले सप्ताह निश्चित रूप से फेसबुक के लिए ''परीक्षा'' होगी। उन्होंने कहा कि कंपनी ''लोकतांत्रिक प्रक्रिया की सुचिता की रक्षा के लिए लड़ाई'' जारी रखेगी। जुकरबर्ग ने कंपनी के वित्तीय परिणाम देते हुए उठाये गए कदमों को रेखांकित करते हुए कहा, ''ये सभी परिवर्तन हैं जो हमने पिछले चार वर्षों में किए हैं और इससे हमें यूरोपीय संघ, भारत और इंडोनेशिया सहित दुनिया भर में 200 से अधिक चुनावों की सुचिता की रक्षा करने में मदद मिली है। ये अमेरिका में अगले सप्ताह के मतदान से पहले दुरुपयोग को रोकने के लिए महत्वपूर्ण रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि कंपनी ने मतदाताओं पर दबाव जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया है और इस संबंध में नागरिक अधिकार नेताओं सहित विशेषज्ञों के साथ मिलकर काम किया है। उन्होंने कहा कि फेसबुक की सुरक्षा टीमें चार साल से हैकिंग जैसे पारंपरिक खतरों पर गौर कर रही थीं, लेकिन फर्जी अकाउंट का इस्तेमाल करते हुए 'समन्वित हस्तक्षेप अभियान' जो सामने आया है यह कुछ नयी चीज थी, जिसके जरिये दुष्प्रचार और मनमुटाव फैलाने की कोशिश की गई। जुकरबर्ग ने कहा, ''उसके बाद से हमने इन खतरों का पता लगाने और उसे दूर करने के लिए दुनिया में सबसे उन्नत प्रणाली का निर्माण किया है और यह संख्या में दिखता है। इसके बाद के वर्षों में, हमने रूस, ईरान और चीन सहित 100 से अधिक नेटवर्क लिये हैं और हम हर दिन लाखों संभावित अभद्र अकाउंट को ब्लाक करते हैं।'' जुकरबर्ग ने बताया कि कंपनी ने विज्ञापनों को पारदर्शी बनाने के लिए भी कदम उठाए हैं और जो कोई भी राजनीतिक या सामाजिक मुद्दे का विज्ञापन चलाना चाहता है, तो उसे पहले इसकी अनुज्ञा प्रक्रिया से गुजरना होगा। मार्च और सितंबर के बीच, कंपनी ने अनुज्ञा प्रक्रिया से गुजरे बिना अमेरिका को लक्षित करने की कोशिश करने वाले विज्ञापनों को 22 लाख बार खारिज किया। राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों के विज्ञापनों के लिए फ़ेसबुक उपयोगकर्ताओं को यह देखने की अनुमति देता है कि विज्ञापन के लिए भुगतान किसने किया है और विज्ञापन किन दर्शकों तक पहुंचा, जिससे मंच पर राजनीतिक विज्ञापन अधिक पारदर्शी हो सकें। उन्होंने कहा, ''हमारी नीतियां कब और कैसे मतदान करना है, इससे संबंधित गलत जानकारी को रोकती हैं। हमने हाल ही में इन नीतियों का विस्तार किया है जिससे गलत दावों को भी रोका जा सके, जैसे यह दावा कि व्यक्तिगत रूप से मतदान करने से आपको कोविड-19 हो सकता है।'' उन्होंने कहा कि मार्च से अक्टूबर के मध्य तक फेसबुक ने इन नियमों को तोड़ने के लिए अमेरिका में 1,35,000 से अधिक सामग्री हटा दी। जुकरबर्ग ने कहा, ''चुनाव की सुचिता सुनिश्चित करना एक सतत चुनौती है और रहेगी... मुझे यह भी पता है कि हमारा काम तीन नवंबर के बाद बंद नहीं होगा। इसलिए, हम नए खतरों का अनुमान लगाते हुए अपने दृष्टिकोण को विकसित करते रहेंगे और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की सुचिता और दुनियाभर में लोगों को उनकी आवाज सुनने के अधिकार की रक्षा के लिए लड़ेंगे।'' फेसबुक की कुल आय सितंबर तिमाही में 22 प्रतिशत बढ़कर 21.4 बिलियन अमरीकी डालर रही। वहीं उसकी शुद्ध आय (लाभ) 7.8 अरब अमरीकी डालर रही। फेसबुक के दैनिक सक्रिय उपयोगकर्ता आधार औसतन 1.82 अरब रहा, जबकि 30 सितंबर, 2020 तक की स्थिति के अनुसार उसका मासिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं का आधार 2.74 अरब था। जुकरबर्ग ने फेसबुक के ऐप (व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम) के बीच अंतर्परिचालनात्मकता (इंटरऑपरेबिलिटी) के बारे में भी बात की जो उपयोगकर्ताओं को ऐप्स के बीच संदेश भेजने की अनुमति देता है। उन्होंने कहा, ''हमने मैसेंजर और इंस्टाग्राम मैसेजिंग के बीच अंतर्परिचालनात्मकता शुरू की और यह सुविधा अब अमेरिका सहित दुनिया भर के बहुत से देशों में

उन्होंने कहा कि भारत, चीन, ब्राजील या यूरोप के देशों में जो अनुभव होगा, उसकी तुलना में अमेरिका में संदेश भेजने का अनुभव बहुत ही अलग है। उन्होंने कहा, ''हमारा लक्ष्य लोगों को यह सुविधा देना है कि वे हमारे किसी एक ऐप को चुन सकें जिसे वे मैसेजिंग के लिए सबसे अधिक उपयोग करना पसंद करते हैं और उन सभी लोगों तक पहुंच सकते हैं जो हमारे अलग-अलग ऐप में से जिस भी ऐप का उपयोग करते हैं।''

आत्मनिर्भरता बढ़ाने को घरेलू उद्यमियों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराएगा भारत- राजीव कुमार

नई दिल्ली।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने शुक्रवार को कहा कि भारत आत्मनिर्भर होने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है और घरेलू उद्यमियों को आगे बढ़ने के लिये यथासंभव बेहतर परिवेश उपलब्ध कराएगा। उद्योग मंडल फिक्की के 'ऑनलाइन' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुमार ने कहा कि भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था और व्यापार व्यवस्था खोले जाने को लेकर प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा हम आत्मनिर्भरता के दिशा में आगे बढ़ेंगे। हम घरेलू उद्यमियों को आगे बढ़ने के लिये यथासंभव बेहतर परिवेश उपलब्ध कराएंगे। एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) आकर्षित करते समय अपना भरोसा उन इकाइयों में दिखाएंगे जिन्होने पहले से भारत में निवेश कर रखे हैं। कुमार ने यह भी कहा कि सरकार निजी उद्यमियों को हर संभव मदद देने के साथ और अवसर प्रदान करेगी क्योंकि चाहे घरेलू हों या विदेशी, उनके बिना भारत उस सतत आर्थिक वृद्धि को हासिल नहीं कर पाएगा, जो देश चाहता है। उन्होंने कहा हम यह सब करेंगे। दूसरे देशों ने भी ऐसा किया है। लेकिन यह सब वैश्विक परिप्रेक्ष्य में किया जाएगा। कुमार ने कहा यह सब भारत में किया जाएगा जो वैश्विक और क्षेत्रीय उत्पादन श्रृंखला में अपनी हिस्सेदारी हासिल करने का प्रयास कर रहा है। यह सब बहुपक्षीय व्यापार और नियम आधारित व्यवस्था को ध्यान में रखकर किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अगर घरेलू उद्योगों को सरकार प्रशुल्कीय सहारा तो वह एक तय समय के लिये ही होगा। नीति आयोग के उपाध्यक्ष ने कहा और यह दुनिया से कट कर या संरक्षणवाद के रूप में नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सरकार 9-10 और क्षेत्रों के उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना ल रही है। सरकार पहले ही औषधि, चिकित्सा उपकरण, मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण कंपनियों के लिये पीएलआई योजना ला चुकी है। उन्होंने कहा पीएलआई योजना का मकसद देश में पैमाने और प्रतिस्पर्धा के लिहाज से वैश्विक स्तर के विनिर्माण के लिये निवेशकों को प्रोत्साहित करना है। कुमार ने कहा कि सरकार ने कोविड-19 महामारी को एक अवसर के रूप में लिया है। हमने श्रम कानूनों को युक्तिसंगत बनाया, हमने अपने किसानों को आजादी दी है, हमने विभिन्न क्षेत्रों में एफडीआई को उदार बनाया है।।

अमेरिका की अदालत ने इसरों की इकाई को देवास मल्टीमीडिया को 1.2 अरब डॉलर क्षतिपूर्ति देने को कहा

वाशिंगटन

अमेरिका की एक अदालत ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की वाणिज्यिक इकाई एन्ट्रिक्स कॉरपोरेशन को बेंगलुरू की स्टार्टअप कंपनी देवास मल्टीमीडिया को 1.2 अरब डॉलर की क्षतिपूर्ति करने का आदेश दिया है। यह भुगतान 2005 के उपग्रह निर्माण, प्रक्षेपण और परिचालन का सौदा रद्द करने को लेकर है। कंपनी के साथ हुए अनुबंध के तहत एन्ट्रिक्स कॉरपोरेशन कोदो उपग्रहों को बनाने, उन्हें प्रक्षेपित करने और उनका परिचालन करने के लिये जनवरी 2005 में सहमत हुई थी। इनकी मदद से देवास को 70 मेगाहर्ट्ज का एस-बैंड स्पेक्ट्रम उपलब्ध कराने की योजना थी, जिनके जरिये देवास की योजना भारत भर में हाइब्रिड सैटेलाइट व स्थलीय संचार सेवा प्रदान करने की थी। एन्ट्रिक्स कॉरपोरेशन ने इस समझौते को फरवरी 2011 में रद्द कर दिया था। देवास ने इसके बाद अगले कई साल तक भारत में विभिन्न कानूनी मंचों पर गयी। वह यह मामला लेकर उच्चतम न्यायालय तक भी गयी। नयायालय ने इस मामले को न्यायाधिकरण के पास ले जाने का निर्देश दिया। कंपनी इस मामले को सितंबर 2018 में अमेरिका की अदलत में ले गयी।एन्ट्रिक्स कॉरपोरेशन ने इसके खिलाफ न्यायिक क्षेत्राधिकार का मुद्दा उठाया था और मामले को खारिज करने का अनुरोध किया था। लेकिन अदालत ने कहा था कि वह इस मामले की सुनवायी कर सकती है। वॉशिंगटन की एक जिला अदालत के जज थॉमस एस ज़िल्ली ने 27 अक्टूबर के अपने आदेश में कहा कि अंतरिक्ष देवास को 56.25 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति और इसके ऊपर ब्याज का भुगतान करेगी। क्षतिपूर्ति और ब्याज मिलाकर राशि 1.2 अरब डॉलर हो जाती है।

आपूर्ति बढ़ाने और कीमतों पर रोक लगाने के लिए भूटान से खरीदा जा रहा 30 हजार टन आलू

नई दिल्ली:

आसमान छू रही और प्याज कीमतों को काबू में लाने के लिए केंद्र सरकार इनका आयात कर रही है। केंद्रीय उपभोक्ता मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत सरकार भूटान से 30 हजार टन आलू आयात कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसा आलू की घरेलू आपूर्ति बढ़ाने और कीमतों को कम करने के लिए किया जा रहा है। उपभोक्ता मंत्रालय संभाल रहे मंत्री गोयल ने कहा कि सात हजार टन प्याज पहले ही आयात किया जा चुका है। इसके अलावा दिवाली से पहले 25 हजार टन और प्याज आने की उम्मीद है। बता दें कि देश में प्याज की कीमतें भी लगातार बढ़ रही हैं। केंद्र सरकार प्याज से साथ-साथ प्याज के बीज के निर्यात पर भी प्रतिबंध लगा चुकी है। उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नैफेड) भी जल्द ही प्याज का आयात शुरू करेगा। तीन दिन से प्याज का थोक भाव 65 रुपये प्रति किलो पर स्थिर है। सरकार कीमतें कम करने के लिए जरूरी फैसले ले रही है। आयात समय पर प्रतिबंधित किया गया था और निर्यात के लिए कदम उठाए गए थे। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि दिवाली पर्व से पहले-पहले 25 हजार टन प्याज की एक खेप और आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि आयात होने के साथ-साथ अगले महीने से मंडियों में आने वाली खरीफ की फसल से भी आपूर्ति की समस्या से निपटने में और कीमतों पर बढ़ रहे दबाव को कम करने में मदद मिलेगी। आलू को लेकर गोयल ने कहा कि पूरे देश में इसकी औसत कीमत पिछले तीन दिन से 42 रुपये प्रति किलो पर स्थिर है। अगले कुछ दिनों में भूटान से करीब 30 हजार टन आलू भारत आ जाएगा। उन्होंने कहा कि हम करीब 10 लाख टन आलू का आयात करने जा रहे हैं। इससे देश में आलू की कीमतों को नियंत्रण में रखा जाएगा।

पंजाब में कोयला नहीं पहुंचने से बिजली की हालत खराब

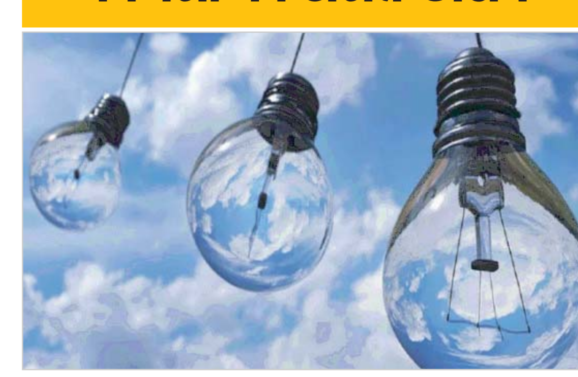

चंडीगढ़.

पंजाब में बिजली की स्थिति खराब होती जा रही है। किसानों के आंदोलन के कारण कोयले के रैक की आवाजाही करीब एक महीने से निलंबित होने से ताप बिजली घरों को ईंधन आपूर्ति प्रभावित हुई है। इससे कोयला आधारित विद्युत संयंत्रों में ईंधन भंडार न के बराबर बचा है। अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि ऐसे में बिजली कटौती के अलावा कोई उपाय नहीं है। मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने इस मामले में रेल मंत्री पीयूष गोयल से हस्तक्षेप का आग्रह किया था। इसके बाद गोयल ने कुछ दिन पहले पंजाब सरकार से ट्रेनों और रेलवे के कर्मचारियों की सुरक्षा का आश्वासन देने को कहा। किसान यूनियनों ने 21 अक्टूबर को घोषणा की थी कि 'रेल रोको' आंदोलन से मालगाड़ियों को बाहर रखा जाएगा। किसान केंद्र के नए कृषि कानूनों का विरोध कर रहे हैं। हालांकि रेलवे ने बाद में मालगाड़ियों का परिचालन निलंबित रखने का फैसला किया। उसका कहना था कि विरोध कर रहे किसान अभी भी मालगाड़ियों को रोक रहे हैं। पंजाब के सहकारिता और जेल मंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने शुक्रवार का कहा, ''केंद्र पंजाब में मालगाड़ियों को निलंबित कर राज्य को निशाना बना रहा है क्योंकि यहां के किसानों और सरकार ने कृषक विरोधी कानूनों का विरोध किया है।'' उन्होंने कहा, ''भारत सरकार के अधिकारियों को स्वयं जाकर यह जांच करनी चाहिए कि क्या किसान अभी भी पटरियों पर बैठे है। जंडियाला गुरू को छोड़कर सभी ट्रैक पूरी तरह से खाली हैं। वहां से भी ट्रेन को तरनतारन के रास्ते अमृतसर लाया जा सकता है।''

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सेलिब्रिटी

दीपिका पादुकोण बनीं भारत की सबसे भरोसेमंद महिला

समाज और लोगों के प्रति अपने उल्लेखनीय काम के जरिए, मशहूर हस्तियां अपने काम के साथ हमेशा दर्शकों का दिल जीतते आई हैं। हाल ही में एक रिपोर्ट जारी की गई थी जिसमें उनके ब्रांड एंडोर्समेंट के माध्यम से उनकी सामूहिक अपील और भरोसे के आधार पर सेलिब्रिटी रैंकिंग दी गई है।

इस लिस्ट में दीपिका पादुकोण को 82.8 के साथ सबसे विश्वसनीय महिला सेलिब्रिटी का स्थान दिया गया है। ढ्ढढ्ढ॥क्चद्वारा जारी की गई सेलिब्रिटी TIARA रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार, दीपिका को भारत की सबसे सुंदर और भारत की सबसे ग्लैमरस के रूप में भी वोट दिया गया है।

यह रिपोर्ट ह्यूमन ब्रांड के रूप में सेलिब्रिटीज़ आईडिया के तौर पर भी काम करती है। इस सूची में जगह बनाने वाले अन्य हस्तियां में अमिताभ बच्चन- सबसे विश्वसनीय सेलिब्रिटी, अक्षय कुमार- सबसे विश्वसनीय पुरुष सेलिब्रिटी के रूप में शामिल है। खेल के क्षेत्र से एमएस धोनी, मिताली राज, विराट कोहली और अनुष्का शर्मा सबसे भरोसेमंद सेलिब्रिटी जोड़ी हैं।

यह रिपोर्ट सभी क्षेत्रों की मशहूर हस्तियों को ध्यान में रख कर बनाई जाती है, लेकिन अधिकांश कैटेगरी में बॉलीवुड सेलेब्स का बोलबाला देखने मिलता है। जहां, दीपिका पादुकोण ने अधिकांश कैटेगरी में विजेता के रूप में अपनी जगह बनाई है। यह सर्वे 23 शहरों से 60,000 रिस्पोंडेंट के पैन-इंडिया सैंपल साइज के साथ ॥HB द्वारा किए गए एक अध्ययन पर आधारित है।

बता दें कि दीपिका पादुकोण सबसे ज्यादा भरोसेमंद सेलिब्रिटी होने की साथ ही 'सबसे खूबसूरत' और 'सबसे ग्लैमरस' कैटेगरी में भी टॉप पर रही हैं। वहीं आलिया भट्ट इस लिस्ट में सबसे अट्रैक्टिव कैटेगरी में शामिल हुई हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो दीपिका जल्द नाग अश्विन की पैन-इंडिया बहुभाषी फिल्म के साथ-साथ शकुन बत्रा की अनटाइटलड फिल्म में नजर आएंगी।

ऑस्कर 2021 में कनाडा का प्रतिनिधित्व करेगी दीपा मेहता की 'फनी ब्वॉय'

जानी-मानी फिल्मकार दीपा मेहता की आगामी फीचर फिल्म 'फनी ब्वॉय' सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फिल्म श्रेणी के तहत 93वें अकादमी पुरस्कार में कनाडा का प्रतिनिधित्व करेगी। दीपा मेहता की कोई फिल्म दूसरी बार इस श्रेणी में प्रतिस्पर्धा में उतरी है। मेहता की फिल्म 'वाटर' को 2007 में अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी में ऑस्कर के लिए नामित किया गया था।

'फनी ब्वॉय' फिल्म इसी नाम से 1994 में लिखे गए श्याम सेलवादुरई के उपन्यास पर आधारित है। यह फिल्म 70 से 80 के दशक में श्रीलंका में तमिलों एवं सिंहलियों के संघर्ष के बीच एक युवक के अनुभव की कहानी बयान करती है। ऑस्कर के लिए देश की प्रविष्टि के बारे में फैसला करने वाली कनाडाई चयन समिति की अध्यक्षता करने वाले 'टेलीफिल्म कनाडा' की कार्यकारी निदेशक क्रिस्टा डिकनसन ने कहा, '' हमें पूरा भरोसा है कि दीपा मेहता की 'फनी ब्वॉय' अकादमी के सदस्यों को उसी तरह पसंद आएगी, जिस तरह 2007 में उनकी शानदार फिल्म 'वाटर' को पसंद किया गया था।''

कैटरीना कैफ की सुपरहीरो फिल्म में नहीं होगा कोई मेल एक्टर

निर्देशक अली अब्बास जफर के निर्देशन में बन रही कैटरीना कैफ की सुपरहीरो फिल्म इन दिनों सुर्खियों में है। अली अब्बास जफर लंबे समय से भारत में सुपरहीरो बेस्ड फिल्म बनाना चाहते थे। उनका ये सपना अब जल्द पूरा होने वाला है। यह फिल्म मेगा बजट फिल्म होगी।

इस फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू की जाएगी। बीते काफी समय से चर्चा थी कि कैटरीना कैफ के साथ फिल्म में कौन सा हीरो नजर आएगा। अब खबरें है कि फिल्म में कोई मेल कलाकार नहीं होगा। कैटरीना के अपोजिट किसी भी मेल स्टार को कास्ट नहीं किया गया है।

खबरों के अनुसार अली अब्बास जफर ने कहा, इस फिल्म में कैटरीना कैफ के अपोजिट किसी हीरो की जरूरत नहीं है। वह खुद एक हीरो हैं। यह फिल्म काफी बड़े स्तर की है और बहुत ही अलग होने वाली है। कैटरीना का कोई रोमांटिक एंगल नहीं होने वाला है।

इस सुपरहीरो फिल्म की शूटिंग पोलैंड, जॉर्जिया, दुबई, अबु ढ़ाबी और उत्तराखंड में होने वाली है। अली ने बताया, हमने दुबई और अबु ढ़ाबी के लोकेशंस को लॉक कर लिया है। जल्द ही मैं पोलैंड और जॉर्जिया भी जाने वाला हूं। हमने तीन से चार देशों में इसे शूट करने का प्लान किया है। कुछ हिस्सा भारत में भी शूट किया जाए। हमें पहाड़ी इलाके चाहिए, इसीलिए हमने हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और दिल्ली फाइनल किया है।

अली अब्बास जफर का कहना है कि अभी कैटरीना के साथ फिल्म बना रहे हैं। इसके बाद मिस्टर इंडिया को लेकर फिल्म बनाई जाएगी। तीसरा सुपरहीरो हमारे पुराणों से लिया जाएगा और चौथा इंडियन आर्मी का होगा।

मृणाल ठाकुर के बचपन का प्यार है शाहिद कपूर! एक्ट्रेस ने खुल कर बताई दिल की बात

सुपरस्टार ऋतिक रोशन के साथ फिल्म सुपर 30 में अपने अभिनय का लोहा मनवाने के बाद मृणाल ठाकुर शाहिद कपूर के साथ फिल्म 'जर्सी 'में अभिनय करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में खुलासा किया कि वह अभिनेता की बहुत बड़ी प्रशंसक हैं और अपने कॉलेज के दिनों के दौरान से ही उन्हें काफी पसंद करती थी। मृणाल ठाकुर ने बताया कि शाहिद पर मेरा काफी ज्यादा क्रश था।

एक न्यूज पोर्टल से इस बारे में बात करते हुए, मृणाल ठाकुर ने कथित तौर पर कहा कि वह शाहिद के साथ काम करने के लिए काफी उत्सुक है। उन्होंने कहा कि फिल्म जर्सी में शाहिद के साथ काम करना मेरे लिए सपने जैसा है। अभिनेत्री ने खुलासा किया कि जब वह छोटी थी तब अपनी बहन के साथ मिल कर अखबारों और मैगजीन में छवी शाहिद कपूर की तस्वीरों को काट-काट कर रखती थी। ऐसा करने पर मम्मी पापा की डांट भी पड़ती थी। उन्होंने कहा कि शाहिद के साथ इन पलों को साझा करना काफी अच्छा है।

जर्सी में शाहिद के साथ काम करने के बारे में विस्तार से बताते हुए, मृणाल ठाकुर ने कथित तौर पर कहा कि वह शाहिद की प्रशंसा करना बंद नहीं कर सकती क्योंकि वह एक शानदार कलाकार हैं। मृणाल ने खुलासा किया कि वह शूट के दौरान मॉनीटर के सामने बैठती है जब यह शाहिट कपूर अपना शॉट देते है ताकि उनसे कुछ और चीजें भी सीख सकें।

शाहिद कपूर की फिल्म 'जर्सी' सत्यराज और श्रद्धा श्रीनाथ की तेलुगु फिल्म नानी का रीमेक है। हिंदी रीमेक में शाहिद के पिता पंकज कपूर की भी अहम भूमिका है। फिल्म का निर्देशन गौतम तिन्ननौरी ने किया है।

लॉस एंजिल्स से भारत वापस लौट रही हैं सनी लियोन! शेयर की घर से आखिरी तस्वीर

कोरोना वायरस के बाद देश में लॉकडाउन के दौरान बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोन अपने घर अनेरिका वापस लौट गयी थी। सनी लियोन बॉलीवुड में आने से पहले अमेरिका में ही रहती थी। सनी पॉर्न इंडस्ट्री के लिए काम अमेरिका से ही करती थी। लॉकडाउन लगने के बाद वह अपने पति डेनियल वेबर और बच्चों नूह, अशर और निशा के साथ अमेरिका चली गयी थी। अब जब भारत में सब कुछ धीर-धीरे कुछ खुलने लगा है ऐसे में सनी लियोन ने भी भारत लौटने की तैयारी कर ली है।

सनी लियोन ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा की, जिसमें बताया गया कि वह वापस मुंबई लौट रही है। अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर सनी ने गुलाब के पौधों के बीच खुद की एक तस्वीर साझा की। सफेद रंग की टॉप और बेज पैंट में वह हमेशा की तरह स्टनिंग लग रही थीं। सूरज की किरनें उनके चेहरे पर पड़ रही थी। प्यारी सी तस्वीर के साथ, सनी ने लिखा, घर आने का लगभग समय हो गया है। फ्लाइट लेने से पहले घर में परिवार के साथ बिताए पलों के कुछ छ्णा। गुलाबों को सूंघने का सिर्फ एक आखिरी पड़ाव।

इससे पहले टाइम्स ऑफ इंडिया के साथ एक साक्षात्कार में सनी ने कहा था कि मैं अपने मुंबई के घर को बिल्कुल नहीं छोड़ना चाहती। भारत लौटने की योजना अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के फिर से शुरू होने पर आधारित है।

उन्होंने कहा, 'व्यक्तिगत रूप से, मुझे मुंबई छोड़ने का दुख था मैं मुंबई छोड़ना नहीं चाहती थी। यही वजह है कि हमें यहां आने का फैसला करने में इतना समय लगा। हालांकि, हमारे लिए डैनियल की मां और उसके परिवार के आसपास रहना महत्वपूर्ण था। हर किसी की तरह, वे अपने प्रियजनों के साथ रहना चाहते थे।

सीएसए के अंतरिम बोर्ड में शामिल हुए लोगार्ट

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका सरकार ने क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) को चलाने के लिए नौ सदस्यीय अंतरिम बोर्ड का गठन किया है। दक्षिण अफ्रीका इस नए बोर्ड की अध्यक्षता जैक याकूब करेंगे जिसमें सीएसए के पूर्व अध्यक्ष हारून लोगार्ट भी शामिल हैं।समिति में वेस्टर्न प्रोविंस और केप कोबरास के मुख्य कार्यकारी आंद्रे ओडेनडाल भी शामिल हैं। उनके अलावा ओमफिले रामेला, स्टावरोस निकोलो, जुडिथ फरवरी, आंदिले डॉन मबाथा, जालानो वान्या और एनकेको कैरोलिन मामपुरु।आंतरिक रिपोर्ट के मुताबिक सीएसए काफी संघर्ष कर रही है। दक्षिण अफ्रीका की सरकार और क्रिकेट बोर्ड के बीच विवाद चल रहा था। यह विवाद क्रिकेट संघ के मामलों की जांच को लेकर हुआ। थाबोंग मूरे को सीएसए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद से हटा दिया था। क्रिस नेनजानी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। यह दोनों चीजें इसी साल अगस्त में हुई थी।

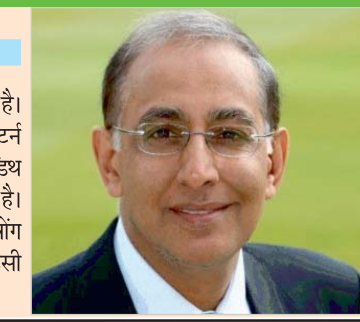

जर्मनी में क्वारंटीन बैडमिंटन खिलाड़ी जयराम, शुभंकर की मदद करेगी साई

नई दिल्ली।

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने गुरुवार को कहा है कि वह जर्मनी में बैडमिंटन खिलाड़ी अजय जयराम और शुभंकर डे के क्वारंटीन पीरियड का खर्चा वहन करेगी। यह दोनों खिलाड़ी भारतीय टीम के सदस्य के कोविड-19 पॉजिटिव आने के कारण सारलोरल्कस ओपन से बाहर हो गए हैं। साई ने गुरुवार को एक बयान जारी कर रहा है कि 30 अक्टूबर से 10 नवंबर के बीच इन दोनों खिलाड़ियों के क्वारंटीन पीरियड को जो भी खर्च आएगा वो वहन करेगी। साई ने कहा, साई उनके होटल और खाने के खर्चे के लिए 1.46 लाख रुपये देगी जिसमें से 90 प्रतिशत रकम तुरंत मुहैया कराई जाएगी। जयराम, शुभांकर और लक्ष्य सेन ने इस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था जिसकी वजह लक्ष्य के कोच डीके सेन का कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव आना है। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने गुरुवार को कहा था कि जयराम और शुभांकर टूर्नामेंट में आगे हिस्सा नहीं लेंगे। जयराम एक मैच खेल चुके थे और दूसरे राउंड में उनका सामना मैक्स काल्जोउव से होना था। शुभंकर और लक्ष्य को पहले राउंड में बाई मिली थी। लक्ष्य का खर्च भी साई उठाएगी,, क्योंकि वह टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम का हिस्सा हैं। इन तीनों खिलाड़ियों के टेस्ट हालांकि निगेटिव आए थे। जयराम ने मदद की अपील की थी और कहा कि उन्हें आयोजकों ने आगे की जानकारी नहीं दी है। शुभंकर ने भी ट्वीट करते हुए लिखा था, अधिकारियों से अपील है कि हमारी मदद करें और हमें भारत वापसी जाने की मंजूरी भी दिलवाएं। शुभंकर ने बाद में आयोजकों से आए एक मेल का स्क्रीनशॉट शेयर किया था जिसमें लिखा था कि कोच सेन छह नवंबर तक क्वारंटीन रहेंगे जबकि बाकियों को 10 नवंबर तक क्वारंटीन रहना होगा। उनहोंने लिखा था, क्या!!! जो इंसान पॉजिटिव आया है वो छह नवंबर तक क्वारंटीन? हमारी रिपोर्ट निगेटिव आई है और हम 10 नवंबर तक क्वारंटीन। यह सही नहीं हो सकता। एक और टेस्ट लीजिए और हमें जाने दीजिए। कृपया कुछ कीजिए।

सचिन की भविष्यवाणी, गायकवाड लंबी पारी खेलने के लिए बना है

दुबई।

आईपीएल-13 में लगातार दूसरा अर्धशतक लगा चेन्नई सुपर किंग्स को शानदार जीत दिलाने वाले युवा बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड की चारों ओर तारीफ हो रही है। कोलकाता ने गुरुवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मैच में चेन्नई के सामने 173 रनों की चुनौती रखी थी। ऋतुराज ने 53 गेंदों पर छह चौके और दो छक्कों की मदद से 72 रन बना कर टीम को जीत दिलाई। चेन्नई के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने जहां गायकवाड को प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में से एक बताया है, तो वहीं भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने गायकवाड को लेकर मैच शुरू होने से पहले ही भविष्यवाणी कर दी थी। सचिन ने कहा था कि गायकवाड लंबी पारी के लिए बना है।

चेन्नई-कोलकाता मैच से पहले यूट्यूब पर जारी एक वीडियो में सचिन ने कहा, मैंने उनका ज्यादा खेल नहीं देखा है। लेकिन मैंने जो देखा है वो ये है कि वह एक शानदार बल्लेबाज है। उन्होंने बेहतरीन क्रिकेट शॉट्स खेले और सुधार किया है। जब कोई बल्लेबाज सही क्रिकेट शॉट्स खेलना शुरू करता है, गेंद को कवर या मिड-विकेट के ऊपर से मारता या सीधे गेंदबाज के सिर के ऊपर से खेलता है, तो समझा जाता है कि वो बल्लेबाज लंबी पारी खेलने के लिए बना है।

सचिन ने आगे कहा, मुझे लग रहा है कि आज के मैच में वह फिर से पारी की शुरुआत करेंगे क्योंकि उनकी तकनीक और मानसिकता कमाल की है। धोनी उनपर भरोसा जरुर करेगा।

फ्रांस में मुक्केबाजी प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचे कविंदर और संजीत

नई दिल्ली । भारतीय मुक्केबाज कविंदर सिंह बिष्ट (57 किग्रा), अमित पंघल (52 किग्रा) और संजीत (91 किग्रा) ने फ्रांस के नांटेस में अलेक्सिस वेस्टाइन अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। शिव थापा (63 किग्रा) को हालांकि कांस्य पदक से ही संतोष करना पड़ा। वह गुरुवार को सेमीफाइनल में स्थानीय खिलाड़ी लोनेस हमरोइ से 1-2 से हार गए। एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता कविंदर ने सेमीफाइनल में फ्रांस के बेनिक जार्ज मेलकुमैन को 3-0 से हराया। फाइनल में उनका मुकाबला एक अन्य स्थानीय मुक्केबाज सैमुअल किस्टोहरी से होगा। इंडिया ओपन के स्वर्ण पदक विजेता संजीत ने अमेरिका के शेरोड फुलगम को 2-1 से हराया। फाइनल में उनका सामना फ्रांस के सोहेब बोफिया से होगा। विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता अमित पंघल ने अमेरिका के क्रिस्टोफर हेरेरा को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। उनके ड्रा में केवल चार मुक्केबाज थे। मार्च में जोर्डन में ओलंपिक क्वालीफायर्स में भाग लेने के बाद यह पहली प्रतियोगिता है जिसमें भारतीय मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं।

आईएसएल का सातवां संस्करण 20 नवम्बर से,गोवा में होंगे सभी मैच

मुंबई।

हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2020-21 सीजन का पहला मैच 20 नवंबर को गोवा के बैम्बोलम स्थित जीएमसी एथलेटिक स्टेडियम में मौजूदा चैंपियन एटीके मोहन बागान और केरला ब्लास्टर्स के बीच खेला जाएगा। आईएसएल के आयोजक फुटबाल स्पोटर्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) ने शुक्रवार को लीग के पहले 11 राउंड के 55 मैचों का कार्यक्रम जारी किया। कार्यक्रम के अनुसार, लीग की नई टीम ईस्ट बंगाल 27 नवंबर को वास्को डि गामा के तिलक मैदान स्टेडियम में एटीके मोहन बागान के साथ होने वाले मुकाबले से पहली बार लीग में अभियान की शुरुआत करेगी। लीग के सातवें सीजन में सभी मैच गोवा के तीन स्टेडियमों-मडगांव के फातोर्दा में जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, वास्को डि गामा में तिलक मैदान स्टेडियम और बैम्बोलम में जीएमसी एथलेटिक स्टेडियम में बिना दर्शकों के ही खेले जाएंगे। आयोजकों ने साथ ही कहा कि पूरा टूर्नामेंट बायो सिक्योर बबल में होगा। लीग की नई टीम के आने से अब इसके मैचों की संख्या बढ़कर 115 हो गई है जबकि पिछले सीजन में 95 मैच खेले गए थे। लीग की सभी 11 टीमें डबल राउंड रोबिन आधार पर एक-दूसरे से मैच खेलेगी और ग्रुप चरण की समाप्ति के बाद शीर्ष-4 टीमें प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करेंगी। पहले 11 राउंड के मैचों में छह डबल हेडर होंगे और ये रविवार को ही खेले जाएंगे। डबल हेडर में पहला मैच 29 नवंबर को जमशेदपुर एफसी और ओडिशा एफसी के बीच तिलक मैदान स्टेडियम में शाम पांच बजे से शुरू होगा। एफसी गोवा की टीम 22 नवंबर को मडगांव के

फातोर्दा में जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में पूर्व चैंपियन बेंगलुरू एफसी के खिलाफ मुकाबले से अपने अभियान की शुरुआत करेगी। लीग के बाकी बचे 55 मैचों का कार्यक्रम एशियाई फुटबाल परिसंघ (एएफसी) का कलैंडर जारी होने के बाद दिसंबर में जारी किया जाएगा।पहले 11 राउंड के मैचों का आखिरी मैच 11 जनवरी 2021 को मोहन बागान और मुंबई सिटी एफसी के बीच खेला जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र में 150 हॉकी खिलाड़ियों ने अभ्यास शुरू किया

मुंबई । महाराष्ट्र में करीब 150 हॉकी खिलाड़ियों ने कोविड-19 महामारी के बीच गृह मंत्रालय के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए अभ्यास शुरू कर दिया है। हॉकी इंडिया ने एक बयान में कहा कि कोरोना वायरस महामारी के कारण मैदान से दूर रहने के बाद खिलाड़ियों ने अपनी ट्रेनिंग शुरू कर दी है और इनमें अधिकतर खिलाड़ी 17 साल से ऊपर के हैं। इन खिलाड़ियों ने हॉकी इंडिया की मानक संचालन प्रक्रिया और दिशानिर्देशों का पालन करते हुए अभ्यास शुरू कर दिया है। हॉकी महाराष्ट्र के महासचिव मनोज भोरे ने कहा, हमारे खिलाड़ी लंबे समय तक मैदान से बाहर रहे और इसलिए उन्हें अभ्यास करते हुए देखकर अच्छा लग रहा है। उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि सभी खिलाड़ी और अधिकारी दिशानिदेशरें का सही तरह से पालन करें। हमें उम्मीद है कि खिलाड़ी जल्द ही अपनी फार्म हासिल कर लेंगे। हाकी महाराष्ट्र के अध्यक्ष हितेश जैन ने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि खिलाड़ी अपने खेल के साथ टच में रहे और हमें यह देखकर खुशी हो रही है कि हमारे राज्य में खिलाड़ियों और अधिकारियों ने फिर से अपनी ट्रेनिंग शुरू कर दी है। जुलाई में पुणे के बालेवाड़ी स्टेडियम में हाकी टर्फ बिछाई गईथी, जिससे खिलाड़ियों को काफी मदद मिलेगी।

भारतीय फुटबाल सही दिशा में आगे बढ़ रहा है : आदिल खान

नई दिल्ली। भारतीय फुटबाल टीम के डिफेंडर आदिल खान का मानना है कि भारतीय फुटबाल सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। 32 वर्षीय आदिल ने एआईएफएफ टीवी से कहा, भारतीय फुटबाल अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा है और सही राह पर है। मैं बस चाहता हूं कि यह जिस तरह से आगे बढ़ रहा है, वह कायम रहे। आदिल चोट के कारण करीब सात साल बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी करने में सफल रहे हैं। उन्होंने कहा, अपने शुरुआती दिनों के दौरान गुणवत्ता में कमी थी। उसके बाद से बुनियादी सुविधाओं में बहुत सुधार हुआ है। ये चीजें हमेशा एक खिलाड़ी को अपनी वास्तविक क्षमता का प्रदर्शन करने में मदद करती हैं। इससे भारतीय खिलाड़ियों को बेहतर तरीके से प्रदर्शन करने में मदद मिली है। आदिल ने आगे कहा, पहले, टीम परिणामों पर मंथन करने के लिए विदेशियों पर बहुत अधिक निर्भर करती थीं। लेकिन अब चीजें बदल गया है। भारतीय खिलाड़ी जिम्मेदारियां उठा रहे हैं और अपनी योग्यता साबित कर रहे हैं। वे गोल कर रहे हैं, असिस्ट कर रहे हैं। आदिल ने कोविड-19 महामारी के बावजूद देश में फुटबाल गतिविधियां शुरू करने की तारीफ करते हुए कहा, यह शानदार है और सात महीने से भी अधिक समय तक फुटबाल से दूर रहने के बाद हम अब फिर से मैदान पर हैं।

खेल मंत्री ने पूर्व हॉकी खिलाड़ी एमपी सिंह की मदद का किया वादा

नई दिल्ली।

खेल मंत्री किरण रिजिजू ने गुरुवार को पूर्व हॉकी खिलाड़ियों के एक समूह को आश्वासन दिया है कि वह ओलम्पियन मोहिंदर पाल सिंह, जिनकी दोनों किडनियां खराब हैं, को मंत्रालय की स्कीम के जरिए मदद मुहैया कराएंगे। मंत्री ने गौतम बुद्ध नगर के सांसद से भी कहा है कि वह अपने क्षेत्र में रहने वाले एमपी सिंह की मदद करें। 58 साल के सिंह नोएडा में रहते हैं जो गौतम बुद्ध नगर में आता है। यहां से महेश शर्मा सांसद हैं। इस बैठक में एमपी सिंह की पत्नी भी मौजूद थीं। बैठक के दौरान ही रिजिजू ने महेश शर्मा को फोन किया और उनसे मदद करने की अपील की। भारत की हॉकी टीम के पूर्व खिलाड़ी एमपी सिंह को एक महीने से किडनी दाता की जरूरत है। सोशल मीडिया पर भी उनके घर वालों ने इसकी अपील की है। वह अपोलो अस्पताल में भर्ती थे और मंगलवार को ही उनकी छुट्टी हुई है। वह हालांकि सप्ताह में कुछ दिन डायलसिस के लिए अस्पताल जाएंगे। एमपी सिंह की पत्नी शिवजीत सिंह ने कहा, मंत्री की प्रतिक्रिया सकारात्मक थी। उन्होंने कहा है कि वह जो कर सकते हैं वो करेंगे। जहां तक किडनी दाता की बात है तो उन्होंने कहा है कि वह इसमें भी मेरे पति की मदद करेंगे। इस बैठक में हिस्सा लेने वालों में पूर्व भारतीय खिलाड़ी महाराज कृष्णा कौशिक, वीनीत कुमार, रोमियो जेम्स, अरविंद छाबड़ा और पूर्व कोच हरेंदर सिंह हैं। कौशिक ने कहा कि उनको भी उम्मीद है कि वह एमपी सिंह को मदद मिलेगी। कौशिक ने आईएएनएस से कहा, हम छह लोगों ने आज मंत्री के घर पर उनसे मुलाकात की थी और उनकी प्रतिक्रिया सकारात्मक रही। उन्होंने कहा कि खेल मंत्रालय के नियमों के हिसाब से वह जो कर सकते हैं करेंगे।

उन्होंने बताया कि स्थानीय सांसद भी मदद कर सकते हैं। उन्होंने बैठक के बीच में ही महेश शर्मा को फोन किया और एमपी सिंह की मदद करने को कह दिया है और उनकी फाइल भी भेज दी है। मैं बैठक में जो हुआ उससे काफी खुश हूं। एमपी सिंह की पत्नी भी बैठक में थी और जब उन्होंने कहा कि उनके परिवार में कोई नहीं है जो किडनी दे सके। उन्होंने मंत्री से इस संबंध में भी मदद की गुहार लगाई। हरेंदर ने कहा, जब मंत्री ने यह सुना तो उन्होंने कहा कि वह अस्पताल वालों से बात करेंगे, उन्होंने हालांकि यह नहीं बताया कि वह किस अस्पताल से बात करेंगे। पंडित दिनदयाल उपाध्याय नेशनल वेलफेयर फंड के जरिए खेल मंत्रालय खिलाड़ियों और मदद मुहैया कराता है।

गायकवाड प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में से एक : धोनी

दुबई। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने अपनी टीम के बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ की जमकर तारीफ की है। गायकवाड ने गुरुवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मैच में आईपीएल-13 में लगातार दूसरा अर्धशतक लगाकर कोकलता नाइट राइडर्स के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स को शानदार जीत दिलाई। धोनी ने गायकवाड की तारीफ करते हुए कहा, हमने उन्हें नेट्स पर बल्लेबाजी करते देखा था, लेकिन इसके बाद वह कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए और 20 दिन बाहर हो गए। यह दुर्भाग्यपूर्ण रहा, लेकिन वह इस सीजन को याद रखेंगे। उन्होंने कहा, वह सबसे प्रतिभावान खिलाड़ियों में से एक हैं। वह हालांकि काफी कम बोलते हैं, जिसके कारण कभी-कभी टीम प्रबंधन को खिलाड़ी को परखने में परेशानी होती है। जब उन्होंने बल्लेबाजी शुरू की तो आप देख सकते हैं कि वह स्टेप आउट करके गेंद को उसी तरह हिट कर रहे थे जैसे चाहते थे और जो उन्होंने पहले से सोच रखा था। कोलकाता ने गुरुवार को चेन्नई के सामने 173 रनों की चुनौती रखी थी। ऋतुराज ने 53 गेंदों पर छह चौके और दो छक्कों की मदद से 72 रन बना कर टीम को जीत दिलाई। अपनी इस पारी के लिए ऋतुराज को मैन ऑफ द मैच चुना गया। चेन्नई की टीम आईपीएल के इतिहास में पहली बार प्लेआफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई है। धोनी ने आगे कहा, हमने टूर्नामेंट में प्रदर्शन नहीं किया है, लेकिन हमें लगा कि प्रासंगिक होना महत्वपूर्ण है। यही हम लोग बताते रहे। हमने कहा कि आप कैसे तैयार करना चाहते हैं, लेकिन मैच के दौरान तीन से साढ़े तीन घंटे, अपना सर्वश्रेष्ठ दें। हम (प्लेऑफ के लिए) क्वालीफाई करने की स्थिति में नहीं हैं, लेकिन यहां से बहुत कुछ सीखने की जरूरत है।

खिलाड़ी तैयार लेकिन परिवार से मिलना चुनौती - लैंगर

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि उनके खिलाड़ी भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए तैयार हैं और प्रतिस्पर्धा करने को मजबूत भी हैं।उनका साथ ही मानना है कि खिलाड़ियों का परिवार के साथ समय न बिताना बड़ा असर छोड़ सकता है। आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी इंग्लैंड सीरीज के बाद से लगातार क्रिकेट खेल रहे हैं। इस समय कुछ खिलाड़ी आईपीएल में हैं जहां वे जब स्वदेश लौटेंगे तो सिडनी ओलम्पिक पार्क में क्वारंटीन रहेंगे। इसके बाद वह भारत दौरे पर व्यस्त हो जाएंगे।भारत और आस्ट्रेलिया तीन मैचों की वनडे और टी-20 सीरीज खेलती हैं। साथ ही चार टेस्ट मैचों की सीरीज भी खेलती हैं। लैंगर ने शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, खिलाड़ियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती उनके परिवार को देखना होगा क्योंकि वह पहले इंग्लैंड थे और फिर अब आईपीएल में खेल रहे हैं। हमें इस बात का ख्याल रखना होगा कि हम उन्हें शारीरिक और मानसिक तौर पर फिट रखें और खुश भी रखें। परिवार वालों से मिलने इसका हिस्सा है। इसलिए हमें उम्मीद है कि वनडे सीरीज की शुरुआत से पहले जब वह लोग क्वारंटीन से बाहर आएंगे तो परिवार के लोग हमारे साथ जुड़ेंगे।

हॉकी में डिफेंडर चैंपियनशिप जिताते हैं, स्ट्राइकर्स मैच : मोहम्मद रियाज

चेन्नई।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पूर्व मिडफील्डर एन मोहम्मद रियाज ने कहा है कि हॉकी में डिफेंडर्स चैंपियनशिप जिताते हैं, जबकि स्ट्राइकर्स मैच। 49 वर्षीय अर्जुन अवॉर्डी रियाज 1990 से 2000 तक भारत के लिए 280 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। फिलहाल वह एयर इंडिया में उप महाप्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं।रियाज का मानना है कि मिडफील्डर स्ट्राइकर्स के लिए गोल करने का मौका बनाते हैं, जबकि विपक्षी टीम को गोल करने से रोकते हैं। उन्होंने कहा, डिफेंडर्स चैंपियनशिप जिताते हैं जबकि फॉरवर्ड मैच जिताते हैं। पूर्व भारतीय कप्तान रियाज 1996 और 2000 ओलंपिक, विश्व कप 1994 और 1998 तथा एशियाई खेल 1994 और 1998 में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इसके अलावा वह 2002 में बेल्जियम में और 2004 में जर्मनी में पेशेवर लीग में भी खेल चुके हैं। पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान और ओलंपियन वी भास्करण ने आईएएनएस से कहा, हॉकी उनके खून में दौड़ता है। उनके पिता मोहम्मद नबी भी एक अच्छे खिलाड़ी और एक अंतर्राष्ट्रीय रेफरी थे। उनके परिवार में भी हॉकी के अच्छे खिलाड़ी थे। रियाज के बड़े भाई तमिलनाडु के लिए जबकि छोटा भाई राष्ट्रीय टीम के लिए खेल चुके हैं। रियाज के बारे में ऐसा कहा जाता था कि हॉकी में वह पानी से मछली निकालने जैसे थे। रियाज ने कहा कि 1989 की राष्ट्रीय जूनियर चैंपियनशिप उनके करियर के लिए एक टर्निंग प्वाइंट था। उन्होंने कहा, मैं वहां भी अच्छा खेल रहा था। जब टीम हाफ टाइम तक पीछे रहती थी तो मैं गोल करता था और टीम को जीत दिलाता था। अखबारों की हेडलाइन में रियाज बनाम प्रतिद्वंद्वी टीम से शीर्षक होता था। रियाज ने उसके बाद से पीछे मुड़कर नहीं देखा और हॉकी में उनका खेल आगे बढ़ता गया। मॉस्को ओलंपिक में अपनी कप्तानी में भारतीय टीम को स्वर्ण पदक जिताने वाले भास्करण ने कहा, मैंने रियाज को एक जूनियर खिलाड़ी के रूप में देखा था। वह वाराणसी में रेलवे कर्मचारियों के वार्ड के लिए आयोजित एक हॉकी टूर्नामेंट में खेल चुके थे। उनके पिता रेलवे में थे। दक्षिण रेलवे की टीम फाइनल में पहुंची थी। उस समय मुझे लगा था कि यह लड़का एक बड़े खिलाड़ी में बदल जाएगा और ऐसा ही हुआ। इसके बाद रियाज का चयन जूनियर टीम के लिए और फिर सीनियर टीम के लिए हुआ। उन्होंने मलेशिया में अजलान शाह कप में भारतीय टीम के लिए अंतर्राष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण किया था। वह 1993 में आस्ट्रेलिया दौरे पर जाने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। रियाज के एक खिलाड़ी के अलावा एक कोच के रूप में भी काफी सफल रहे हैं।उनके मार्गदर्शन में भारतीय सीनियर्स और जूनियर्स टीम ने 2011 में चीन में आयोजित एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में स्वर्ण और रजत पदक जीते थे।

डिविलियर्स ने इंसानियत, बराबरी को लेकर जारी किया एक गाना

नई दिल्ली। नस्लवाद के खिलाफ लड़ाई अब क्रिकेट के मैदान तक पहुंच गई है। खिलाड़ी इसे लेकर मैदान पर नंगे पैर घेरा बनाते हैं और घुटने के बल बैठे देखे जा सकते हैं। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान अब्राहम डिविलियर्स ने मैदान के बाहर इसके खिलाफ एक अलग रुख अख्तियार किया है और एक गाना गाया है। यह गाना इंसानियत और बराबरी का संदेश देता है। इस समय आईपीएल-13 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के लिए खेल रहे डिविलियर्स ने इस गाने का एक प्रोमो जारी किया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर शुक्रवार को इस गाने का प्रोमो जारी किया और इस गाने के शब्द कैप्शन में लिखे, एज वी रन थ्रू द फायर वी फाइन्ड दी फ्लैम। यह गाना दक्षिण अफ्रीका के गायक कारेन जोइड और एनडलोव यूथ चेयर ने लिखा और गाया है। डिविलियर्स ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, कारेन जोइड और चोइर ने यह गाना लिखा है। यह गाना उम्मीद और हमारे एक साथ मिलकर रहने का गाना है। डिविलियर्स ने इस पूरे गाने का वीडियो ट्वीट करते हुए लिखा, हम सभी काफी अलग है, लेकिन एक साथ खड़े होकर हम सही पिक्च र बनाते हैं। इस वीडियो में बेंगलोर और भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली, बेंगलोर टीम के साथी युजवेंद्र चहल और डिविलियर्स के दक्षिण अफ्रीका के साथी डेल स्टेन, कागिसो रबादा, क्रिस मौरिस हैं। डिविलियर्स के बेटे भी इस वीडियो की शुरुआत में देखे जा सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

कोविड़-19 के प्रकोप के कारण पाकिस्तान की 11 अदालतें हुई सील

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में न्यायाधीशों और कर्मचारियों के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद 11 अदालतों को सील कर दिया गया है। मीडिया में शुक्रवार को आई खबरों के मुताबिक सील की गई अदालतों में तीन अदालतें अतिरिक्त एवं सत्र न्यायाधीशों की हैं। इनके अलावा एक वरिष्ठ दीवानी न्यायाधीश और सात दीवानी न्यायाधीशों की अदालतों को संक्रमण की वजह से सील किया गया है। इस्लामाबाद बार एसोसिएशन के सचिव नबील ताहिर मिर्जा ने डॉन अखबार को बताया कि जिला एवं सत्र न्यायालय के अंतर्गत 70 अदालतें काम करती हैं, जिनमें से 11 अदालतों को 12 न्यायाधीशों और कर्मचारियों के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद सील कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि कुछ वकीलों के भी कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। बार एसोसिएशन द्वारा बृहस्पतिवार को जारी नोटिस में कहा गया है कि 11 न्यायाधीश और कर्मचारी संक्रमित हुए हैं और इसलिए अदालतें अगले 14 दिनों के लिए बंद रहेंगी।

तुर्की के पूर्व पीएम और अनुभवी राजनीतिज्ञ मेसुत यिलमाज़ का 72 साल की उम्र में निधन

इस्तांबुल। तुर्की के तीन बार प्रधानमंत्री चुने गये मेसुद यिलमाज का शुक्रवार को निधन हो गया। वह 72 वर्ष के थे। सरकारी एनाडोलू समाचार एजेंसी ने यह जानकारी दी। यिलमाज ने 1991 से 2002 तक मध्य-दक्षिणपंथी मदरलैंड पार्टी या एएनएपी का नेतृत्व किया। वह 1990 के दशक में तीन बार देश के प्रधानमंत्री चुने गये। हालांकि, उनका दो कार्यकाल महज कुछ महीनों का ही रहा था। यिलमाज का पिछले साल फेफड़े के कैंसर का इलाज हुआ था और इस साल मई में मस्तिष्क से ट्यूमर निकालने के लिए सर्जरी की गई थी। उनका निधन शुक्रवार को इस्तांबुल के एक अस्पताल में हुआ, जहां उनका इलाज चल रहा था। यिलमाज तुर्की के पहले प्रधानमंत्री थे, जिनके खिलाफ पद के दुरुपयोग के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई और अदालत ने उन्हें अपराध के लिए जवाबदेह ठहराया था। हालांकि, आम माफी विधयेक के बाद उनकी सजा की घोषणा नहीं की गई।

एक हाथ में कुरान लेकर हमलावर ने फ्रांस के गिरजाघर में किया हमला, सैनिकों की संख्या बढ़ाई गई

नीस (फ्रांस)। फ्रांस के शहर नीस में बृहस्पतिवार को एक गिरजाघर में लोगों पर चाकू से हमला करने वाले ट्यूनीशियाई हमलावर के हाथ में कुरान भी थी। इस हमले में तीन लोगों की मौत हुई थी। हमले के बाद सरकार ने सुरक्षा अलर्ट को बढ़ाकर अधिकतम स्तर का कर दिया। यह पिछले दो महीनों में फ्रांस में इस तरह का तीसरा हमला है। नोट्रेडैम चर्च (गिरजाघर) में हमले को अंजाम देने वाला हमलावर पुलिस द्वारा पकड़े जाने के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गया था और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत नाजुक है। इस वारदात स्थल से एक किलोमीटर की दूरी पर वर्ष 2016 में बास्तील डे परेड के दौरान एक हमलावर ने ट्रक को भीड़ में घुसा दिया था, जिसमें दर्जनों लोगों की मौत हो गई थी। फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने कहा कि वह तुरंत स्कूलों और धार्मिक स्थलों की रक्षा के लिए तैनात सैनिकों की संख्या लगभग 3,000 से बढ़ाकर 7,000 तक करेंगे।

चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मेलानिया ट्रंप ने कहा- 'ट्रंप को वोट देने का मतलब एक बेहतर अमेरिका को वोट देना'

वाशिंगटन। अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ध्यान देश के भविष्य के लिए केंद्रित है और उन्हें वोट देने का अर्थ है एक बेहतर अमेरिका को वोट देना। मेलानिया, बृहस्पतिवार को फ्लोरिडा के टंपा में पहली बार अपने पति के साथ किसी चुनावी रैली में नजर आईं। यह उनकी दूसरी चुनावी रैली थी। मेलानिया ने कहा, 'जिन्हें अब भी यह निर्णय करना है कि वे मंगलवार को किसे वोट देंगे, मुझे उम्मीद है कि मैं आपसे जो कहूंगी उससे साबित होगा कि राष्ट्रपति ट्रंप को वोट देने का अर्थ एक बेहतर अमेरिका को वोट देना होगा।' उन्होंने कहा, 'ऐसे समय में जब मीडिया के जरिये हमारे घरों में घृणा, नकारात्मकता और भय का संदेश दिया जा रहा है और प्रौद्योगिकी क्षेत्र की बड़ी कंपनियां राजनीतिक दृष्टिकोण को काट-छांट कर प्रस्तुत कर रही हैं, हमें यह याद रखना जरूरी है कि क्या आवश्यक है। मेरे पति के प्रशासन का ध्यान भविष्य पर केंद्रित है।'
मेलानिया ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने शोर को बंद कर अमेरिकी लोगों पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने कहा, 'मेरे पति के नेतृत्व में हमारे राष्ट्र को फिर से सम्मान मिला है, हमारी सीमाएं सुरक्षित हैं, हमने युद्ध जीते हैं और नए युद्धों से दूरी बनाई है। हमने मध्य पूर्व में शांति के समझौते किये हैं। हमने केवल इसके बारे में बात ही नहीं की बल्कि यरुशलम में अपना दूतावास स्थानांतरित किया।' उन्होंने चुनावी सभा में 'चार साल और' के नारे लगवाए और कहा कि ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिकी मूल्य और विचार सुरक्षित हैं। कोविड-19 की वैक्सीन के बारे में मेलानिया ने कहा कि देशवासियों को इसमें राजनीति नहीं करनी चाहिए।

बमबारी और महामारी के बीच, भूखों को खाना खिलाने के वन-मैन मिशन पर जुटे यह भारतीय शेफ

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

एक जगह जहां बगदाद में बम गिराए जा रहे थे तो वहीं भारत के दमन श्रीवास्तव अपने काम में जुटे हुए थे। एक लग्जरी होटल में काम करने वाले सेफ दमन श्रीवास्तव खंडहर बन चुकी बगदाद में भुखों को भोजन परोसते है। अल राशीद होटल में काम कर रहे श्रीवास्तव के सहयोगियों ने एक-एक करके बगदाद शहर से चले गए है लेकिन 27 वर्षीय श्रीवास्तव इस बमबारी वाले शहर में बिना अपनी जान की परवाह किए वहीं रूके हुए है और दर्जनों लोगों को दैनिक आधार पर भोजन परोस रहे है। इस साल, जब महामारी का प्रकोप पूरी दुनिया में फैला तब इसका असर बगदाद शहर में भी हुआ है। बता दें कि श्रीवास्तव 54 साल के हो गए है और इस वक्त भी वह बगदाद में रहकर 'वन-मैन डिलीवरी सेवा' को फिर से शुरू किया है।

इस दौरा वह अंतरराष्ट्रीय छात्रों को भोजन खिला रहे है, जिनमें से कई अपनी नौकरी खो चुके हैं। मार्च के बाद से श्रीवास्तव के रसोई में हर सप्ताह लगभग 500 भोजन तैयार किए जाते हैं। वह उन्हें अपनी कार से शहर भर में पहुँचाते है।टीओआई से बात करते हुए श्रीवास्तव ने कहा कि 'इस साल की स्थिति ने मुझे उस दुख की याद दिला दी जो मैंने पहले देखा था। इराक में, मैंने ऐसे लोगों को देखा जो भोजन के लिए भीख माँगने के लिए नियमित रूप से मेरे होटल आते थे।

घर से काम करना और अपनी पत्नी और आठ साल की बेटी की मदद से श्रीवास्तव के लिए अपने दान को जारी रखना काफी आसान हो गया है। श्रीवास्तव ने कहा, अपने काम में व्यस्त होने ले पहले हम जल्दी उठते हैं, भोजन को पैक करते हैं और फिर लोगों को वितरित करते है। उन्होंने बताया कि दूसरों ने भी मदद के लिए कदम बढ़ाया है। पिछले महीने, स्कूल की शिक्षिका सारा मैरिक ने भी खाना बनाने में मदद की और जरूरतमंदो की मदद की।

ला ट्रोब विश्वविद्यालय के एक मास्टर्स छात्र साईं किरण ने कहा कि, मैं अपनी नौकरी गंवा चुका हुं और कोविड-19 संकट के कारण मेरे पास खानें को कुछ नहीं था लेकिन श्रीवास्तव की मदद से मूझे खाना खानें को मिला। श्रीवास्तव ने कहा कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय छात्रों पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि 'जब मैं पहली बार ऑस्ट्रेलिया आया, तो मुझे नौकरी खोजने में कुछ महीने लग गए। श्रीवास्तव 1995 में जॉर्डन के लिए इराक छोड़ने के सालों बाद 1995 में ऑस्ट्रेलिया चले गए। श्रीवास्तव एक फिलिस्तीनी से मिले जिन्होंने अपने नए फ्रेंच रेस्तरां में काम पर रखा था। श्रीवास्तव ने याद किया कि कैसे जॉर्डन के पूर्व राजा हुसैन ने भोजनालय का दौरा किया और भोजन को इतना पसंद किया कि उन्होंने अपनी विशेष रूप से डिजाइन की गई घड़ी उन्हें गिफ्ट में दी।

पुलवामा आतंकवादी हमले में पाकिस्तान का कबूलनामा, बुरी फंसी इमरान सरकार

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के एक वरिष्ठ मंत्री ने बृहस्पतिवार को सनसनीखेज खुलासा करते हुए स्वीकार किया कि 2019 में जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले के लिये उनका देश जिम्मेदार है। उस हमले में सीआरपीएफ के 40 जवानों के शहीद होने के बाद दोनों देश जंग के मुहाने पर आकर खड़े हो गए थे। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री फवाद चौधरी ने नेशनल असेंबली में बहस के दौरान कहा, हमने हिंदुस्तान को घुस कर मारा। पुलवामा में हमारी कामयाबी, इमरान खान के नेतृत्व में इस देश की कामयाबी है। आप और हम सभी इस कामयाबी का हिस्सा हैं। प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी चौधरी का यह बयान विपक्षी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) नेता अयाज सादिक के उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को रिहा करने की गुहार लगाई थी, जिन्हें 27 फरवरी, 2019 को पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों के साथ हवाई टकराव में उनका मिग-21 बाइसन लड़ाकू विमान गिर जाने के बाद पाकिस्तानी सेना ने हिरासत में ले लिया था।

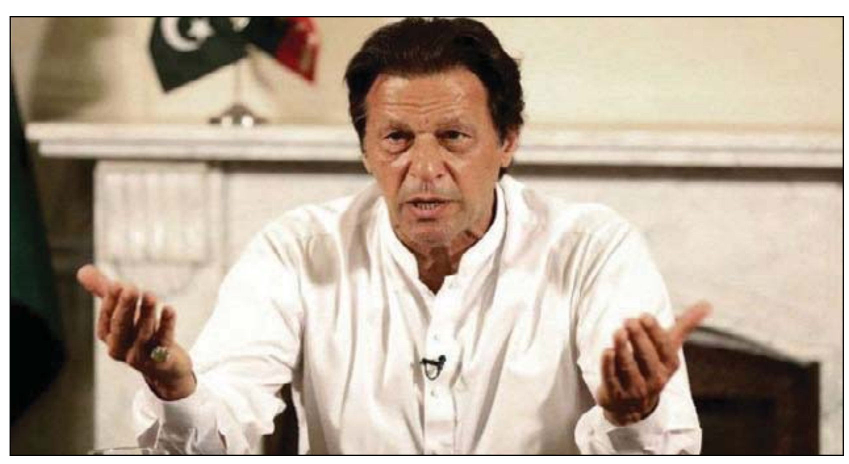

भारतीय वायु सेना के विमानों ने 26 फरवरी 2019 को तड़के पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा क्षेत्र के बालाकोट में स्थित जैश ए मोहम्मद के आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया था। सादिक ने जिस उच्चस्तरीय बैठक का जिक्र करते हुए यह दावा किया था उसमें सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा भी शामिल थे। सादिक ने बैठक को याद करते हुए कहा , विदेश मंत्री (कुरैशी) ने हमसे कहा कि खुदा के वास्ते, उसे (अभिनंदन) को वापस जाने दीजिए, वरना भारत रात नौ बजे पाकिस्तान पर हमला कर देगा। '' पुलवामा हमले के दौरान सूचना एवं प्रसारण मंत्री रहे चौधरी ने सादिक के बयान की आलोचना करते हुए उसे अनुचित बताया है। अमेरिका के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय समुदाय पाकिस्तान पर दबाव बनाता रहा है कि वह अपनी सरजमी को आतंकवादी समूहों की सुरक्षित पनाहगाह बनने से रोके और पुलवामा हमले के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाये।

कमला हैरिस का ट्विटर पर हुआ दस लाख से अधिक बार जिक्र, सोशल मीडिया में जा रही गलत जानकारियां

शिकागो। (एजेंसी)।

अमेरिका में उप राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस के बारे में सोशल मीडिया में लंबे समय से गलत सूचनाएं डाली जा रही हैं। सोशल मीडिया पर उनके बारे में कई नस्ली दावे भी किए जा रहे हैं मसलन वह व्हाइट हाउस में काम करने योग्य नहीं हैं तथा वह अपनी अश्वेत एवं भारतीय पृष्ठभूमि के बारे में झूठ बोल रही हैं। हैरिस की मां भारतीय हैं और पिता जेमैका से हैं। जब से हैरिस उप राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनी हैं तब से उन्हें निशाने पर लेते हुए ऑनलाइन भ्रामक अभियान भी तेज हो गए हैं ये रिपब्लिकन पार्टी के उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार श्वेत व्यक्ति माइक पेंस के मुकाबले चार गुना अधिक।

मीडिया फर्म जिग्नल लैब्स की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इस संस्थान से जुड़ी जेनिफर ग्रांस्टन ने कहा, ''कमला हैरिस से जुड़ी ज्यादातर बातें उनकी निजी शख्सियत के बारे में होती हैं खासकर उनकी त्वचा के रंग को लेकर।'' फर्म ने पाया कि जून से लेकर अब तक ट्विटर पर हैरिस का दस लाख से अधिक बार जिक्र हुआ और ऐसे हैशटैग और शब्दों के साथ हुआ जो उनके बारे में गलत जानकारी से जुड़े थे। एसोसिएटेड प्रेस ने पाया कि हैरिस के बारे में जनवरी 2019 से ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर गलत जानकारियां चल रही हैं, यही वह वक्त है जब हैरिस ने घोषणा की थी कि वह उप राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए मैदान में उतरेंगी। अगस्त में जब राष्ट्रपति ट्रंप ने हैरिस के बारे में भ्रामक बातें की तब से लेकर उनके बारे में गलत जानकारियों की बाढ़ सी आ गई। वर्ष 2016 के प्रचार अभियान के मुकाबले इस वर्ष उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सोशल मीडिया पर कहीं अधिक चर्चा का विषय बने हुए हैं।

डोनाल्ट ट्रंप या जो बाइडेन, जानिए अमेरिकी वोटर्स के मुताबिक कौन है सही उम्मीदवार?

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिकी मतदाताओं का कहना है कि कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के दौरान अर्थव्यवस्था और नौकरियां उन मुख्य पैमानों में शामिल हैं, जिनके आधार पर वे रिपब्लिकन उम्मीदवार एवं देश के राष्ट्रपति डोनाल्ट ट्रंप और डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जो बाइडेन के बीच चयन करेंगे। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस और अर्थव्यवस्था दोनों कई तरीकों से आपस में जुड़े हुए हैं। अमेरिका में कोरोना वायरसर से 90 लाख से अधिक लोग संक्रमित हो चुके हैं, जिनमें से 2,30,000 लोगों की मौत हो चुकी है। इस महामारी के कारण अर्थव्यवस्था बुरी तरह लड़खड़ा गई है। ग्रामीण पेन्सिलवेनिया में एक छोटे कारोबारी एथन क्लार्क ने कहा, '' मैं ऐसे व्यक्ति को वोट दूंगा, जिसके चयन से मेरे कारोबार पर कोई असर नहीं पड़े।'' उन्होंने कहा, ''मेरी राय में, अर्थव्यवस्था की स्थिति इस समय काफी अच्छी है।''

विस्कॉन्सिन में घर बनाने और उनकी मरम्मत का काम करने वाले ठेकेदार डेविड ने कहा कि वह अपने कारोबार के 25 साल में पहले कभी इतना व्यस्त नहीं रहे, जितना वह इस समय हैं। डेविड ने कहा, ''मेरे सभी सहकर्मियों के पास आगामी छह माह के लिए काम है।'' डेविड के सहकर्मी अगस्टो ने कहा कि लॉकडाउन के बाद बाजार में तेजी आई है। एथन, डेविड और अगस्टो में से कोई भी कोरोना वायरस से पैदा हुई स्थिति के लिए ट्रंप को दोषी नहीं मानता और उनका कहना है कि इसमें किसी का दोष नहीं। पेन्सिलवेनिया में एक छोटा रेस्तरां चलाने वाले प्रिंस ने कहा कि कोरोना वायरस जैसी वैश्विक महामारी किसी के हाथ में नहीं है। उन्होंने कहा, ''हमारे लिए ऐसे राष्ट्रपति को मत देना अहम है, जो यह सुनिश्चित कर सके कि हमारे पास नौकरियां हों और हमारे कारोबार चालू रहें।

चुनावी रैली में ट्रंप बोले- 'अमेरिकी स्वप्न' और 'समाजवादी दु:स्वप्न' के बीच चयन है यह चुनाव

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश में होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में अपने डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी जो बाइडेन पर निशाना साधते हुए कहा कि तीन नवंबर को होने वाला चुनाव ''अमेरिकी स्वप्न और समाजवादी दुःस्वप्न'' के बीच चयन है। ट्रंप ने टाम्पा में एक चुनावी रैली में कहा कि बाइडेन अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए अब तक के 'सबसे खराब' उम्मीदवार हैं। उन्होंने बृहस्पतिवार को कहा, 'यह चुनाव अमेरिकी स्वप्न और समाजवादी दुःस्वप्न के बीच चयन है।' ट्रंप ने कहा कि यदि बाइडेन चुनाव जीत जाते हैं, तो अमेरिका वेनेजुएला की तरह बन जाएगा। राष्ट्रपति ने कहा कि जब तक वह राष्ट्रपति हैं, अमेरिका समाजवादी देश नहीं बन सकता। उन्होंने कहा, 'यह चुनाव इस बात का फैसला करेगा कि क्या हमारे बच्चों को समाजवाद का कष्ट सहने की सजा दी जाएगी या वे अमेरिकी सपने को जीने में सक्षम होंगे।' ट्रंप (77) ने बाइडेन पर निशाना साधते हुए कहा कि वह सबसे खराब उम्मीदवार के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं राष्ट्रपति पद की राजनीति के इतिहास में सबसे खराब उम्मीदवार के खिलाफ चुनाव लड़ रहा हूं। मैं परवाह नहीं करता।

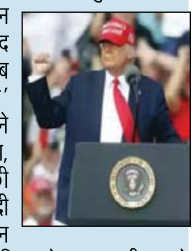

भारत और अमेरिका ने यूएनएससी के एजेंडा पर की बातचीत, मिलकर काम करने की जताई सहमति

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

भारत और अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के एजेंडे से जुड़े विषयों पर व्यापक बातचीत की और लोकतंत्र, बहुलवाद तथा नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के साझा मूल्यों को देखते हुए मिलकर काम करने पर सहमति जताई। भारत को इस साल की शुरुआत में मेक्सिको और आयरलैंड के साथ एक जनवरी, 2021 से दो साल के कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य चुना गया था। भारत और अमेरिका के बीच बातचीत ऐसे अनेक वैश्विक मुद्दों पर समन्वय की दोनों देशों की कोशिशों को झलकाती है जो अगले साल सुरक्षा परिषद के सामने आ सकते हैं। वाशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा, ''दोनों पक्षों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एजेंडे और हालिया घटनाक्रमों से संबंधित मुद्दों पर व्यापक चर्चा की।'' इसमें कहा गया, ''उन्होंने 2021-22 के दौरान यूएनएससी के अस्थायी सदस्य के रूप में भारत के आगामी कार्यकाल के दौरान लोकतंत्र, बहुलवाद तथा नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के साझा मूल्यों को देखते हुए मिलकर काम करने पर सहमति जताई।''

भारत सुरक्षा परिषद समेत संयुक्त राष्ट्र में कुछ सुधारों की वकालत करता रहा है। भारत का कहना है कि सुरक्षा परिषद की संरचना मौजूदा वास्तविकताओं को नहीं परिलक्षित करती है और उसमें पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं हैं। यूएनएससी में पांच स्थायी सदस्य समेत कुल 15 सदस्य हैं। इसके स्थायी सदस्यों में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस और चीन हैं। चीन यूएनएससी का एकमात्र स्थायी सदस्य है जो इस शक्तिशाली इकाई में भारत के शामिल होने का विरोध करता है। इसके 10 अस्थायी सदस्यों में से आधे सदस्य हर साल दो वर्ष के कार्यकाल के लिए चुने जाते हैं। अमेरिका के साथ बुधवार और बृहस्पतिवार को हुई दो दिवसीय वार्ता के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई विदेश मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव (अंतरराष्ट्रीय संगठन एवं सम्मेलन) विनय कुमार ने की। अमेरिकी दल का नेतृत्व विदेश विभाग के अंतरराष्ट्रीय संगठन मामलों के ब्यूरो की अधिकारी पामेला डी प्रियोर ने किया।

इमरान सरकार का दावा, विंग कमांडर अभिनंदन की रिहाई के लिए नहीं था कोई दबाव

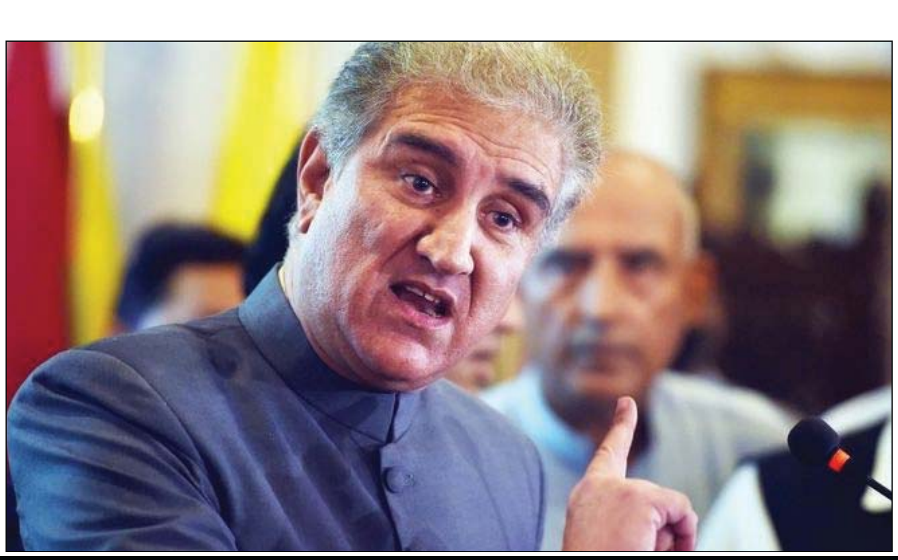

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान ने दावा किया कि भारतीय वायु सेना के विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान की रिहाई के लिये देश पर कोई दबाव नहीं था। इससे एक दिन पहले विपक्ष के एक शीर्ष नेता ने कहा था कि विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने देश पर भारत के हमले के डर से उच्चस्तरीय बैठक में पायलट को रिहा किये जाने का अनुरोध किया था। पाकिस्तान की सेना ने 37 साल के भारतीय वायु सेना के पायलट को 27 फरवरी 2019 पकड़ लिया था। इससे पहले पाकिस्तान ने उनके मिग-21 बाइसन जेट विमान को मार गिराया था। जम्मू कश्मीर के पुलवामा में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के काफिले पर हुये हमले का बदला लेने के लिये भारतीय वायु सेना केजेट विमानों ने 26 फरवरी 2019 को तड़के पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बालाकोट में आतंकवादी संगठन जैश ए मोहम्मद के शिविरों पर बमबारी की थी।

पुलवामा आतंकी हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गये थे। अभिनंदन ने मिग को गिराये जाने से पहले पाकिस्तान के एफ-16 लड़ाकू विमान को मार गिराया था। पाकिस्तान ने उन्हें एक मार्च की रात को रिहा कर दिया था। उस दिन के तनाव को याद करते हुये इस्लामाबाद में नेशनल असेंबली के पूर्व अध्यक्ष अयाज सादिक ने कहा, पैर कांप रहे थे, माथे पर पसीना था और विदेश मंत्री (कुरैशी) ने हमसे कहा, अल्लाह के लिये उन्हें (अभिनंदन) अब वापस जाने दो, क्योंकि भारत रात नौ बजे पाकिस्तान पर हमला करने ही वाला है। उन्होंने कहा, भारत हमले की योजना नहीं बना रहा था...वे केवल इतना चाहते थे कि पाकिस्तान भारत के सामने झुक जाये और अभिनंदन को वापस भेजा जाये। सादिक की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुये विदेश कार्यालय के प्रवक्ता जाहिद हफीज चौधरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि विंग कमांडर अभिनंदन की रिहाई को लेकर पाकिस्तान पर कोई दबाव नहीं था। प्रवक्ता ने अपने साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, पाकिस्तान सरकार ने यह निर्णय शांति के मद्देनजर लिया था और अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इस फैसले का स्वागत किया था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

श्रद्धांजलि

शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के दिग्गज नेता स्व. केशूभाई पटेल को उनके गांधीनगर स्थित निवास पर श्रद्धांजलि दी।

दुर्घटना में ब्रेन डेड युवक के अंगदान से 8 लोगों को मिला जीवनदान

सूरत, कुछ दिन पहले सूरत के अमरोली में सड़क दुर्घटना में ब्रेन डेड घोषित युवक के अंगदान से अहमदाबाद, आणंद और मुंबई इत्यादि के निवासी 8 लोगों को जीवनदान मिला है। गुजरात में हृदय दान की 36वीं घटना हैद्य जिसमें सूरत से डोनेट लाइफ द्वारा हृदय दान कराने की 29वीं घटना है। सूरत के रामकृष्ण एक्सपोर्ट में बतौर रत्नकार काम करनेवाले पियूष नारणभाई मांगूकिया कुछ दिन पहले नौकरी से छूटने के बाद अमरोली क्षेत्र में अपनी ससुराल गया थां। जहां से रात 10 बजे पियूष मोटर साइकिल पर अपने घर लौट रहा था। उस वक्त अमरोली–सायण रोड पर सदगुरु पेट्रोल पंप के निकट मोटर साइ. किल स्लीप होने से पियूष के सिर में गंभीर चोट आई। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने पियूष को एम्ब्युलैंस 108 के जरिए स्मिमेर अस्पताल पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद पियूष को निजी अस्पताल में दाखिल किया गया। 28 अक्टूबर को अस्पताल के न्यूरो सर्जन ने पियूष को ब्रेन डेड घोषित कर दिया। अस्पताल के मेडिकल एडमिनिस्ट्रेटर स्टेट एडवाइजरी कमेटी फोर ऑर्गन और टिस्यू ट्रांसप्लान्टेशन कमेटी के मेम्बर ने डोनेट लाइफ के संस्थापक–प्रमुख निलेश मांडलेवाला से संपर्क कर पियूष के ब्रेन डेड होने की जानकारी दी। डोनेट लाइफ की टीम अस्पताल पहुंच गई और पियूष के परिवार से संपर्क किया और अंगदान की अहमियत व समग्र प्रक्रिया की जानकारी दी। परिवार पियूष के अंगदान के तैयार हो गया। पियूष के परिवार के सहमत होने के बाद निलेश मांडलेवाला ने स्टेट ऑर्गन एन्ट टिस्यू ट्रांसप्लान्ट ऑर्गेनाइजेशन (एसओटीटीओ) का संपर्क कर हृदय, फेफड़े, किडनी, लीवर और पेन्क्रियास दान की जानकारी दीद्य एसओटीटीओ ने फेफडे मुंबई के सर एचएन रिलायंस फाउन्डेशन अस्पताल को, हृदय अहमदाबाद के सिम्स अस्पताल को, किडनी, लीवर और पेन्क्रियास अहमद. ाबाद के इंस्टीट्यूट डिसीस एन्ड रिसर्च सेंटर (आईकेडीआरसी) को उपलब्ध कराए। जबकि पियूष के नेत्र लोकदृष्टि चक्षुबैंक मुरैया करवाए। अहमदाबाद के सिम्स अस्पताल में आणंद निवासी 39 वर्षीय व्यक्ति में पियूष का हृदय ट्रांसप्लांट किया। जबकि अहमद. ाबाद के आईकेडीआरसी में दान में मिली दो किडनी, लीवर और पेन्क्रियास का ट्रांसप्लांट चार जरूरतमंद लोगों में किया गया। इसके अलावा मुंबई के एचएन रिलायन्स फाउंडेशन अस्पताल में उपचाराधीन दहाणु के 44 वर्षीय व्यक्ति में पियूष का हृदय ट्रांसप्लांट किया गया। इस प्रकार एक ब्रेन डेड युवक के अंगदान से 8 लोगों को जीवनदान मिला है।

पीएम मोदी आज देश में पहली सी प्लेन सेवा का केवडिया शुभारंभ करेंगे

नर्मदा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी शनिवार अक्टूबर को अहमदाबाद से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के बीच सी प्लेन सेवा प्रारंभ कराने वाले हैं, दो दिवसीय गुजरात दौरे पर आए पीएम मोदी शुक्रवार को केवडिया पहुंचे और कई प्रकल्पों का उदघाटन किया,पीएम मोदी शुक्रवार को रात्रि विश्राम केवडिया में ही करेंगे और 31 अक्टूबर शनिवार को सरदार पटेल की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देंगे और एकता परेड में शामिल होंगे, एकता दिवस समारोह के समापन के बाद पीएम मोदी केवडिया से अहमदाबाद के बीच सी प्लेन सेवा की शुरुआत करेंगे और सी प्लेन में अहमदाबाद आएंगे, सी प्लेन में अहमदाबाद से केवडिया का किराया प्रति व्यक्ति रु. 1500 तय किया गया है,उड़ान योजना के तहत अहमदाबाद से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक एक ओर का किराया रु. 1500 होगा, जबकि दोनों ओर की यात्रा के लिए रु. 3000 देने होंगे,30 अक्टूबर 2020 से ऑनलाइन टिकटों की बुकिंग शुरू हो जाएगी,अहमदाबाद से प्रति दिन सुबह 10.15 बजे सी प्लेन उड़ान भरेगा और 10.45 बजे केवडिया पहुंचेगा,जबकि केवडिया से सुबह 11.45 बजे रवाना होकर दोपहर 12.15 बजे अहमदाबाद पहुंचेगा, ये सी प्लेन दोपहर 12.45 बजे दोबारा अहमदाबाद से उड़ान भरकर दोपहर 1.15 बजे केवडिया पहुंचेगा और दोपहर 3.15 बजे केवडिया से रवाना होगा और 3.45 बजे अहमदाबाद पहुंचेगा, शाम 6 बजे के बाद सी प्लेन उड़ान नहीं भरेगा, देश के पहले सी प्लेन के लिए अहमदाबाद रिवरफ्रंट पर वोटर एरोड्राम तैयार हो गया है, दो मंझिला वाटर एरोड्राम में टिकट काउंटर, वेइटिंग रूम, डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर, लगेज स्क्रीनिंग मशीन इत्यादि की व्यवस्था की गई है, वाटर एरोड्राम में यात्रियों को दाहिनी ओर से प्रवेश दिया जाएगा, जहां डोर फ्रेम मेटल डि. टेक्टर लगाया जाएगाद्य प्रवेश के साथ ही यात्रियों के लिए वेइटिंग रूम में कुर्सी और लगेज स्क्रीनिंग मशीन रखा गया है, बिल्डिंग में मेडिकल इमर्जंसी के लिए एक रूम भी तैयार किया गया है, इसके अलावा 48 मीटर लंबी और 9 मीटर चौंड़ी और 1 मीटर मोटी जेटी पर तैयार हो चुकी है, वोटर एरोड्राम पर हवा की दिशा जानने के लिए एयर बैग लगाई गई है, वहीं नर्मदा के तालाब नंबर 3 के निकट जेटी और वोटर एरोड्राम भी लगभग तैयार हो चुका है, फ्लोटिंग जेटी को तालाब में उतार दिया गया है, जो सी प्लेन आएगा उसमें चढ़ने और उतरने के लिए एक टर्मिनल भी तैयार हो गया है,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के गांधीनगर में शुक्रवार को गुजरात के गांधीनगर में स्वर्गीय महेशभाई और स्वर्गीय नरेशभाई कनोडिया के परिवार के सदस्यों को सांत्वना देते हुए।

गुजराती फिल्मों के मशहूर संगीतकार व गायक व महेश कनोडिया और उनके भाई व गुजराती फिल्मों के सुपर स्टार नरेश कनोडिया को गांधीनगर स्थित उनके निवास पर श्रद्धांजलि देते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी।

सार–समाचार

दो दिवसीय गुजरात दौरे पर अहमदाबाद पहुंचे पीएम मोदी

अहमदाबाद, दो दिवसीय गुजरात दौरे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज सुबह अहमदाबाद आ पहुंचेद्य अहमदाबाद हवाई अड्डे पर राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल, गृह राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा और गुजरात के पुलिस महानिदेशक आशीष भाटिया समेत अधिकारियों ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया। अहमदाबाद एयरपोर्ट से पीएम मोदी सीधा गांधीनगर रवाना हो गए। गांधीनगर में केशूभाई पटेल के परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना देंगे। बता दें कि गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री केशूभाई पटेल का गुरुवार को निधन हो गया था। केशूभाई पटेल के अलावा भाजपा के पूर्व सांसद और विख्यात गुजराती संगीतकार महेश कनोडिया का रविवार को तथा उनके भाई व गुजराती फिल्मों के सुपरस्टार नरेश कनोडिया का मंगलवार को निधन हो गया था। पीएम मोदी महेश कनोडिया और नरेश कनोडिया के परिवार से मिलकर संवेदना व्यक्त करेंगे।

दीपावली से पहले कच्छ में बढ़ी गाय के गोबर से बने दियों की मांग

कच्छ, दीपावली से पहले कच्छ में गाय के गोबर से बने दियों की मांग बढ़ गई हैं। इतना ही नहीं अब तक करीब 75000 से अधिक दिये बिक चुके हैं और हर दिन 1500 से 200 दियों की मांग हो रही है। कच्छ जिले की भुज तहसील के कुकमा गांव के रामकृष्ण ट्रस्ट द्वारा गौसंवर्धन और गाय के दूध व गोबर इत्यादि से बनी वस्तुओं को प्रोत्साहन दिया जाता है।

ट्रस्ट के प्रबंध निदेशक मनोज सोलंकी के मुताबिक जारी वर्ष में अब तक गाय के गोबर से बने 25000 जितने बेचे जा चुके हैं। मनोज सोलंकी के मुताबिक कामधेनु दिवाली का प्रयोग किया है, जिसे लेकर लोग भी जागृत हुए है। अब तक रामृष्ण ट्रस्ट गाय के गोबर से 25000 हजार दिये बनाकर बेच चुका है और अब भी हर दिन 1500 से 2000 दियों की मांग हो रही है। कच्छ के अंजार निवासी मेघजी हिराणी भी अब तक 50000 दियों का निर्माण कर बेच चुके हैं। रामकृष्ण ट्रस्ट के गोबर के दिए बनाने का उद्देश्य चाइनीज पटाखों से धुआं करने के बजाए गोबर से बने दियों में दीप प्रज्वल्लित कर वातावरण को शुद्ध बनाना है। इसके अलावा चाइनीज दिये या सिरीज से रौशनी करने के बजाए रामजन्मू में शिलान्यास के बाद पहली दीपावली सार्थक रूप से गोबर के दिये से मनाई जाएगीद्य जो हमारी संस्कृति रही है और कोरोना संकट के बीच स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा। गौरतलब है कि कोरोना के चलते देशभर में चाइनीज वस्तुओं का लोग बहिष्कार कर रहे हैं। ऐसे में लोगों में चाइनीज लाइटों के बजाए दीपों से घर को सजाने का विचार बुलंद हो रहा है।

सोमनाथ – जबलपुर स्पेशल मेघनगर और सिहोर स्टेशन पर रुकेंगी

अहमदाबाद,यात्रियों की मांग व सुविधा के लिए सोमनाथ – जबलपुर स्पेशल मेघनगर और सिहोर स्टेशनों पर भी रूकेगी। मण्डल रेल प्रबंधक श्री दीपक कुमार झा के अनुसार ट्रेन नम्बर 01463/01464 सोमनाथ–जबलपुर दृ सोमनाथ स्पेशल (सप्ताह में पांच दिन) 01 नवम्बर 2020 से तथा ट्रेन नम्बर 01465/01466 सोमनाथ दृ जबलपुर – सोमनाथ (द्वि– साप्ताहिक) स्पेशल 02 नवम्बर 2020 से मेघनगर एवं सिहोर स्टेशनों पर भी रूकेगी।

पीएम मोदी ने केवडिया में विश्व के पहले चिल्ड्रन न्यूट्रिशन पार्क समेत प्रकल्पों का लोकार्पण किया

अहमदाबाद, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को नर्मदा जिले के केवड़िया स्थित स्टेच्यू ऑफ यूनिटी परिसर के एकीकृत विकास के विभिन्न 17 परियोजनाओं के लोकार्पण और 4 नए प्रोजेक्ट के शिलान्यास अवसर पर आज आरोग्य वन, एकता मॉल और चिल्ड्रन न्यूट्रीशन पार्क समेत कई प्रकल्पों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी उनके साथ मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 145वीं जयंती से एक दिन पहले पर्यटन आकर्षण की कई परियोजनाओं की शुरुआत की। इन सभी परियोजनाओं ने स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के आकर्षण में चार चांद लगाए हैं, जो सैलानियों को आकर्षित करने और उनके मनोरंजन के लिए अनूठा नजराना साबित होंगे। केवड़िया में लोकार्पण अवसर पर राज्य के मुख्य सचिव डॉ. अनिल मुकीम और वन विभाग के प्रधान सचिव डॉ. राजीव गुप्ता ने इन परियोजनाओं के संबंध में प्रधानमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। इन सभी परियोजनाओं के रिकार्ड समय में पूरा होने से केवड़िया एक विश्वस्तरीय पर्यटन केंद्र के तौर पर उभरकर सामने आया है। जहां परिवार के हरेक उम्र के सदस्यों के लिए रोचक आकर्षण उपलब्ध होगा। चिल्ड्रन न्यूट्रीशन पार्क का लोकार्पण करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ट्वीट किया कि, 'केवड़िया स्थित 'दी चिल्ड्रन न्यूट्रीशन पार्क' पोषण से संबंधित अनेक नए आयामों के विषय

स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के आकर्षण में लगे चार चांदः पर्यटकों को मिलेगी अनूठे नजरानों की सौगात

में जागरूकता पैदा करने का सृजनात्मक स्थल है। यहां का एक अहम आकर्षण है– ट्रेन राइड, जो आपको अलग–अलग स्थलों की यात्रा कराते हुए विभिन्न आकर्षणों से रूबरू कराएगी।' आरोग्य वन का लोकार्पण करते हुए प्रधानमंत्री ने अपने ट्वीट में कहा कि, 'यह वन भारत के औषधीय वैभव का प्रतीक समान है, जो विभिन्न पौधों के साथ भारत की प्राचीन आयुर्वेदिक निरोगिता की प्रणालिका तथा उत्तम आरोग्य के संबंध में जानकारी प्राप्त करने का सुंदर स्थल है।' एकता मॉल के उद्घाटन के समय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी अत्यंत रोमांच का अनुभव कर रहे थे। इस स्थल के बारे में उन्होंने कहा कि, एकता मॉल भारत की विविध ातापूर्ण हस्तकला की विरासत को एक ही स्थल पर देखने का संगम स्थल है। यहां प्रधानमंत्री ने जम्म और कश्मीर तथा पूर्वी भारत के राज्यों की हस्तकलाओं के नमूनों को दिलचस्पी के साथ देखा। प्रधानमंत्री ने आज पहले चरण में जिन परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया उनकी मुख्य विशेषताएं निम्नानुसार हैः

एकता मॉलः देश–विदेश के सैलानी जब केवड़िया घूमने के लिए आएं तो उस दौरान वे खरीदारी का एक विशिष्ट अनुभव कर सकें उसके लिए 35,000 वर्ग फुट में फैले दो मंजिला विशाल एकता मॉल का निर्माण किया गया है। इस मॉल में देश के विभिन्न राज्यों में से लगभग 20 परंपरागत हथकरघा और हस्तकला एम्पोरिया मौजूद हैं। एकता मॉल में देश के अलग–अलग राज्यों की प्रसिद्ध वस्तुओं की एक ही स्थल पर खरीदारी का आनंद पर्यटक उठा सकते हैं। इन एम्पोरिया में गरवी गुर्जरी, पुरबश्री, कैराली, मृगनयनी, पुम्पुहर, गंगोत्री, कावेरी, खादी इंडिया, कश्मीर और सीसीआई एम्पोरियम शामिल है।

चिल्ड्रन न्यूट्रीशन पार्कः यह अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी द्वारा संचालित दुनिया का पहला चिल्ड्रन न्यूट्रीशन पार्क है। यह थीम आधारित पार्क 35,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। बच्चों को ज्ञान के साथ मनोरंजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अद्यतन टेक्नोलॉजी का उपयोग कर इस पार्क को विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। यहां बच्चे मिनी ट्रेन के जरिए 600 मीटर की यात्रा का लुत्फ उठाते हैं। मिनी ट्रेन सेयात्रा के दौरान फल–सब्जी गृहम्, पायोनगरी, अन्नपूर्णा, पोषणपुरम्, स्वस्थ भारतम् और न्यूट्री हंट जैसे स्टेशन आते हैं। इन स्थलों में 47 विभिन्न तकनीकों का उपयोग कर बच्चों को मनोरंजन के साथ जानकारी मुहैया कराने और 'सही पोषण–देश रोशन' सूत्र को चरितार्थ करने का प्रयास किया गया है। इसके अलावा, छोटे–बड़े सभी पर्यटकों के मनोरंजन के लिए मेज, 5–डी थियेटर और भूल–भुलैया भी यहां मौज. ूद है।

जंगल सफारी (सरदार पटेल जूलॉजिकल पार्क): विश्व में रिकार्ड समय में तेजी के साथ पूरा किया गया जंगल सफारी 375 एकड़ क्षेत्र में और 7 अलग–अलग सतहों पर बनाया गया स्टेट ऑफ आर्ट जूलॉजिकल पार्क है। जंगल सफारी में पर्यटक देश और दुनिया के कुल 1,100 पक्षी और 100 प्रजातियों के प्राणियों को देखने का लुत्फ उठा सकेंगे। इस प्रोजेक्ट मंथ विभिन्न 29 प्राणियों के लिए विशेष तय क्षेत्र और विश्व के सबसे बड़े 'जियोडेसिक डोम एवियरी' का समावेश होता है। जहां सैलानी अपने आसपास उड़ते हुए पक्षियों को देखने का रोमांच महसूस कर सकेंगे। जंगल सफारी प्रोजेक्ट में पर्यटक विशेषकर बच्चे भी पक्षियों और छोटे प्राणियों को छूकर रोमांच का अनुभव कर सकें ऐसा 'पेंटिंग जोन' भी शामिल है। पेंटिंग जोन में मकाऊ, पर्शियन बिल्ली, खरगोश, गुनिया पिग, छोटे अश्व व भेड़ और बकरे, टर्की और गीज़ का समावेश होता है।

आरोग्य वनः मानव समुदाय के स्वास्थ्य और कल्याण विषय को ध्यान में रखते हुए अलग–अलग वैदिक वृक्षों वाला यह आरोग्य वन 17 एकड़ क्षेत्र में फैला है। आरोग्य वन में योग, आयुर्वेद और ध्यान को विशेष महत्व दिया गया है। 380 प्रजाति के विभिन्न 5 लाख वृक्षों को यहां रोपित किया गया है।

इस वन में कमल तालाब, गार्डन ऑफ कलर्स, आल्बा गार्डन, ल्यूटिया गार्डन, एरोमा गार्डन, योग और ध्यान स्थल, इंडोर प्लांट सेक्शन, डिजिटल इंफॉर्मेशन सेंटर, सोविनियर शॉप, कैफेटेरिया आदि का समावेश होता है। यहां स्थित आरोग्य वेलनेस सेंटर में केरल के डॉक्टर और विशेषज्ञ स्टाफ द्वारा अलग–अलग नेचर थैरेपी का पर्यटकों को लाभ मिलता है। आरोग्य वन में पर्यटक शारीरिक तंदुरुस्ती के साथ ही प्रकृति के साथ तादात्म्य का अनुभव भी करते हैं।

जेट्टीज़ और एकता क्रूज़ः पर्यटक जब स्टेच्यू ऑफ यूनिटी को देखने के लिए आएं तब उन्हें नर्मदा नदी में बोटिंग के जरिए सतपुड़ा तथा विंध्याचल पर्वतमाला की हरियाली का आनंद भी मिले इस मकसद से फेरी बोट सर्विस– एकता क्रूज़ प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। एकता क्रूज़ के जरिए पर्यटक 40 मिनट की बोटिंग से 6 किलोमीटर तक के सफर का आनंद उठा सकते हैं। 200 यात्रियों की क्षमता वाले एकता क्रूज़ की लंबाई 26 मीटर और चौड़ाई 9 मीटर है। इस फेरी बोट सर्विस के लिए श्रेष्ठ भारत भवन और स्टेच्यू ऑफ यूनिटी पर जेट्टी बनाई गई है।

यूनिटी ग्लो गार्डनः पर्यटकों को रोमांच, जोश और आनंद की अनुभूति हो ऐसे खास थीम के साथ यूनिटी ग्लो गार्डन यहां आकर्षण का केंद्र बनेगा। यह अपनी तरह का देश का पहला गार्डन है।

3.61 एकड़ में फैले इस विशाल गार्डन में एलईडी लाइट से जगमगाती प्राणियों की प्रतिकृति, वृक्ष और फव्वारे पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं।

रात के दौरान जगमगाती रोशनी की लड़ियों वाला यह विशिष्ट प्रकार का गार्डन केवड़िया आने वाले पर्यटकों को अविस्मरणीय अनुभव कराएगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

मुंगेर में हुई घटना को लेकर शिवसेना ने सामना के जरिये साधा बीजेपी पर निशाना

मुंबई। शिवसेना ने बिहार के मुंगेर में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुई गोलीबारी की घटना पर भाजपा की चुप्पी के लिये उस पर निशाना साधा। बिहार में नीतीश कुमार नीत जदयू और भाजपा की सरकार है। शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना के एक संपादकीय में कहा कि भाजपा ने इस साल अप्रैल में महाराष्ट्र के पालघर जिले में भीड़ द्वारा दो साधुओं की हत्या के मामले को सांप्रदायिक रंग देने में तो बड़ी फुर्ती दिखाई थी। मुंगेर के दीनदयाल उपाध्याय चौक पर सोमवार देर रात दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुई गोलीबारी और पथराव में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी जबकि सुरक्षाकर्मियों समेत दो दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए थे। संपादकीय में सवाल किया गया है, अगर यह घटना महाराष्ट्र या बंगाल (विपक्ष शासित राज्यों) में हुई होती तो भाजपा हंगामा खड़ा कर देती।

राज ठाकरे ने राज्यपाल की सलाह पर बिजली बिल के मुद्दे पर पवार को किया फोन

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे ने फोन किया। इससे एक दिन पहले ठाकरे ने महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से बिजली के बढ़े हुए बिलों को लेकर मुलाकात की थी और राज्यपाल ने कथित तौर पर उन्हें इस संबंध में पवार से बातचीत करने के लिए कहा था। पवार ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, '' उन्होंने (राज ठाकरे) फोन किया और बताया कि उन्हें राज्यपाल ने मुझसे बात करने की सलाह दी।'' पवार से जब यह पूछा गया कि क्या वह ठाकरे से मिलेंगे तो राकांपा प्रमुख ने कहा कि अभी इस संदर्भ में कोई निर्णय नहीं लिया गया है। पवार ने कहा, '' मैं शहर से बाहर जा रहा हूं। इसलिए मैं अगले तीन-चार दिन यहां नहीं रहूंगा। हालांकि, उन्होंने (राज ठाकरे) सिर्फ इतना कहा कि उन्हें मुझसे बात करने की सलाह दी गई थी।'' मनसे प्रमुख ने उपभोक्ताओं को मिल रहे बिजली के बढ़े हुए बिल के मामले में हस्तक्षेप की मांग करते हुए बृहस्पतिवार को राजभवन में कोश्यारी से मुलाकात की थी। इस बैठक के बाद उन्होंने कहा था कि राज्यपाल ने उन्हें पवार से बात करने के लिए कहा है। मनसे प्रमुख को राज्यपाल की कथित सलाह पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा प्रमुख चंद्रकांत पाटिल ने कहा था कि राज्य में पवार सरकार चला रहे हैं इसलिए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मिलने का कोई फायदा नहीं है।

पीएम मोदी ने सरदार पटेल प्राणी उद्यान में 'जंगल सफारी' का किया उद्घाटन

केवड़िया (गुजरात)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को यहां सरदार पटेल प्राणी उद्यान में 'जंगल सफारी' का उद्घाटन किया। यह 'जंगल सफारी' भारत के 'लौह पुरुष' की 182 मीटर लंबी प्रतिमा ''स्टैच्यू ऑफ यूनिटी'' के पास स्थित है। केवड़िया गुजरात के नर्मदा जिले में स्थित है। प्रधानमंत्री ने गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के साथ 'जंगल सफारी' का अवलोकन भी किया। इससे पहले प्रधानमंत्री ने ''स्टैच्यू ऑफ यूनिटी'' के निकट नवनिर्मित आरोग्य वन, एकता मॉल और बच्चों के लिए पोषक पार्क का उद्घाटन किया। दो दिवसीय दौरे पर गुजरात पहुंचे प्रधानमंत्री ने गांधीनगर में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री केशुभाई पटेल और गुजराती सिनेमा के सुपरस्टार नरेश कनोडिया व उनके संगीतकार भाई महेश कनोडिया को श्रद्धांजलि अर्पित की।

गोपाल राय ने दिए निर्देश, दिल्ली में केवल हरित पटाखे ही बनें और उनकी बिक्री हो

नयी दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली सरकार ने सभी जिला मजिस्ट्रेट और दिल्ली पुलिस को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि राष्ट्रीय राजधानी में केवल ''हरित पटाखे'' ही बनाए जाएं, इनका भंडारण हो और लाइसेंस प्राप्त व्यापारियों के जरिए ही इनकी ब्रिकी की जाए। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि लोग दीपावली और गुरु पर्व जैसे त्योहारों पर रात आठ से दस बजे के बीच ही पटाखे चला सकते हैं। वहीं क्रिसमस और नए साल की पूर्व संध्या पर पटाखे चलाने का वक्त रात 11ः55 से 12ः30 बजे तक होगा। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की ओर से जारी एक आदेश के अनुसार,'' केवल लाइसेंस प्राप्त व्यापारी ही पीईएसओ द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप पटाखों की बिक्री कर सकते हैं। कोई ई कॉमर्स वेबसाइट कोई ऑनलाइन ऑर्डर नहीं ले सकती।'' राय ने कहा कि दिल्ली सरकार ने सभी जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस उपायुक्तों से निर्देशों का पालन करने और डीपीसीसी को प्रत्येक दिन की कार्यवाही रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

सहारनपुर में पटाखा फैक्टरी में लगी आग, तीन महिलाओं समेत छह लोग झुलसे

सहारनपुर। सहारनपुर जिले के थाना बिहारीगढ़ के अन्तर्गत सतपुरा स्थित एक पटाखा फैक्टरी में शुक्रवार सुबह आग लग गई। हादसे में तीन महिलाओं समेत छह कर्मचारी झुलस गए। झुलसे हुए लोगों को उपचार के लिये जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। सहारनपुर के जिलाधिकारी अखिलेश सिंह ने घटना की जांच के आदेश दिये है। सिंह ने बताया कि थाना बिहारीगढ़ के अन्तर्गत ग्राम सतपुरा के निकट जयबाला जी पटाखा फैक्टरी में आज सुबह आग लग गई जिससे यहां काम करने वाले छह लोग बुरी तरह झुलस गये। सूचना मिलते ही दमकल की गाडियां और पुलिस मौके पर पहुंचे गए। सिंह ने बताया कि यह पटाखा फैक्टरी देहरादून निवासी अमित कुमार के नाम पर है। उन्होंने बताया कि झुलसे लोगों को उपचार के लिये जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है, जिनमें से तीन की हालत गम्भीर बनी हुई है।

फ्रांस में जागकर प्रदर्शन करो, भारत की धरती पर करने से कुछ नहीं होगा : रामेश्वर शर्मा

भोपाल। (एजेंसी)

भोपाल के इकबाल मैदान में फ्रांस के राष्ट्रपति के किलाफ हुए प्रदर्शन को लेकर मध्य प्रदेश विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर और भोपाल से भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि जो इस तरह की शक्तियों का प्रदर्शन कर रहे है इसी का नाम तो कट्टरबाद है। रामेश्वर शर्मा ने कहा कि भारत की धरती पर प्रदर्शन करने से कुछ नहीं होगा। प्रदर्शन करना है तो फ्रांस जाईए चीन जाईए वहां के मैदानों में उतर जाईए।

रामेश्वर शर्मा ने कहा कि प्रदर्शन करना ही है तो फ्रांस में जाकर करना चाहिए मध्य प्रदेश में करने से क्या होगा, फ्रांस में मुस्लामन परेशान है मध्य प्रदेश में थोडे ही है। जो इस तरह की शक्तियों का प्रदर्शन कर रहे है इसी का नाम तो कट्टरबाद है। उन्होंने आयोजकों पर निशाना साधते हुए कहा कि तुम जो हिन्दू बहिन-बेटियों के साथ हो रहा है उस पर प्रदर्शन क्यों नहीं करते, लव जिहाद पर बात क्यों नहीं करते। फ्रांस में जो हो रहा है उस पर भोपाल में प्रदर्शन करके आरिफ मसूद क्या उखाड़ लेगें। करना है तो वहाँ करो, चीन में करो उतर जाईए। यहाँ के जन वायु मंडल को दूषित करना, उनको आक्रोशित करना और उन पर मानसिक रूप से दबाब बनाना कि इस्लाम के नाम पर मुस्लमान एक है, यह गलत है। जो कुछ करना है वह फ्रांस में करो। रामेश्वर शर्मा ने भोपाल मध्य से कांग्रेसी विधायक आरिफ मसूद से कहा कि चाहो तो आपने पाकिस्तानी मित्र को ले जाओ। भारत की धरती पर फ्रांस के प्रदर्शन करने से क्या कर लोगों इससे क्या फर्क पड़ने वाला है।

वही पुलवामा हमले पर कांग्रेसी नेताओं द्वारा सबूत मांगे जाने पर भाजपा नेता रामेश्वर शर्मा ने कांग्रेस पर एक बार फिर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस अब नेताजी सुभाषचंद्र बोस और भगत सिंह वाली कांग्रेस नहीं रह गई है। इसमें तो वह लोग है, जिसे देश का नक्शा भी नहीं मालूम है। उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह जैसे लोग जो रहते तो मध्य प्रदेश में है, लेकिन गाते इस्लामाबाद की है। ऐसे लोग जब तक कांग्रेस में रहेंगे न तो वह भारत के सैनिकों का सम्मान कर सकेंगे, न भारत की बहादुरी का सम्मान कर सकेंगे, न भारत के तिरंगें का मान-सम्मान जिन्दा रख सकेंगे। रामेश्वर शर्मा ने कहा कि पुलवामा में हुए हमले को पाकिस्तान ने तो पहले ही स्वीकार कर लिया था, लेकिन हिन्दुस्तान में पप्पू टाईप के नेताओं ने स्वीकार नहीं किया था। लेकिन भारत के सैनिक को किसी को बताने की जरूरत नहीं है। वो मादरे वतन के लिए माँ के दूध का कर्ज निभाने के लिए यह कहकर जाता है कि माँ आपने जो तिलक लगाया वह शौर्य का है, सम्मान का है, तेरे दूध की शान का है, मैं जिस काम के लिए जा रहा हूँ तेरे से ये वादा तो करता हूँ कि तेरी गोदी में तो यह लाल आएगा लेकिन पीठ नहीं दिखाएगा। भारत को प्रमाण देने की जरूरत नहीं है, भारत में मोदी है। हिन्दुस्तानियों को प्रमाण देने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि एक दिन इस्लामाबाद में तिरंगा फैराएगें सारे कांग्रेसियों को प्रमाण मिल जाएगें।

अपनी विभिन्न मांगों को लेकर गुर्जरों ने एक नवंबर से फिर आंदोलन करने की घोषणा की

जयपुर। गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर एक नवंबर से फिर आंदोलन करने की शुक्रवार को घोषणा की। गुर्जर नेता कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला ने हिंडौन में संवाददाताओं से बातचीत में समाज के लोगों से एक नवंबर को पीलूपुरा (बयाना) पहुंचने को कहा। गुर्जर नेता विजय बैंसला ने कहा, ''एक तारीख से पीलूपुरा में आंदोलन का आगाज होगा क्योंकि सरकार पिछले दो साल से हमारी मागें मान नहीं रही है। पिछले तीन महीने से तो हम रोज इनको कहते आ रहे हैं लेकिन इनके कान पर जूं नहीं रेंग रहीं तो हमारे पास और कोई विकल्प नहीं बचा है।'' उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार गुर्जर आरक्षण को नौंवी अनुसूची में शामिल कराये, बैकलॉग भरे तथा प्रक्रियाधीन भर्ती में अति पिछड़ा वर्ग (एमबीसी) को पांच प्रतिशत आरक्षण का लाभ दे।

उल्लेखनीय है कि समिति ने 17 अक्टूबर को बयाना में महापंचायत की थी और उनकी आरक्षण संबंधी मागों को मानने के लिए राज्य सरकार को एक नवंबर तक का समय दिया था। इसके बाद इस बृहस्पतिवार को मंत्रिमण्डलीय समिति की बैठक हुई जिसने गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति की तीन प्रमुख मांगों पर सकारात्मक फैसला किया। इस बीच गुर्जरों के प्रस्तावित आंदोलन को लेकर करौली, अलवर, दौसा, बूंदी, सवाई माधोपुर व भरतपुर आदि जिलों में प्रशासन चौकस हो गया है। आंदोलन को लेकर जयपुर में पुलिस प्रशासन की उच्च स्तरीय बैठक हुई। सम्बद्ध जिलों में उच्च अधिकारियों के साथ अतिरिक्त जाप्ता भेजा जा रहा है।

पुलवामा हमले पर पाकिस्तान के मंत्री की स्वीकारोक्ति के बाद कांग्रेस मौन क्यों : राजनाथ सिंह

पीरपैंती (भागलपुर)। (एजेंसी)।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए प्रश्न किया कि पुलवामा हमले में पाकिस्तान का हाथ होने की पड़ोसी देश के मंत्री की स्वीकारोक्ति के बाद कांग्रेस मौन क्यों है और उसके नेताओं की बोलती क्यों बंद है? पीरपैंती के प्रगति मैदान में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, ''पुलवामा हमले पर पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में एक मंत्री ने बयान देकर वास्तविकता को उजागर कर दिया है। पाकिस्तान ने यह स्वीकार कर लिया है कि पुलवामा में हमला उसने ही कराया था। जबकि पूर्व में वह कहा करता था कि पुलवामा हमले में उसका हाथ नहीं था।'' उन्होंने कहा कि पुलवामा में जब आतंकवादियों ने हमला किया था और हमारे जवान शहीद हुए थे तब कांग्रेस के लोग हमारी नियत पर सवाल उठा रहे थे।

रक्षा मंत्री ने कहा, ''अब जब पाकिस्तान के मंत्री ने नेशनल असेंबली में बयान देकर यह स्पष्ट कर दिया है कि पुलवामा हमला में पाकिस्तान का हाथ रहा था तो अब कांग्रेस के लोगों की बोलती बंद है तथा (वे) मौन क्यों हैं?'' उन्होंने कहा कि देश के विरोधी दल के लोग परोक्ष रूप से पाकिस्तान को ताकत देने का काम कर रहे थे किंतु वे अब चुप हैं। सिंह ने आरोप लगाया कि जब भी सुरक्षा के सवाल पर हम लोग दमखम के साथ काम करते हैं तो कांग्रेस और अन्य विरोधी दल के लोग सवाल खड़े करते रहते हैं। गौरतलब है कि पिछले साल फरवरी में जम्मू कश्मीर के पुलवामा में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के काफिले पर आतंकी हमला हुआ था जिसमें सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे। सिंह ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी ने पाकिस्तान के दो टुकड़े किये थे तो अटल बिहारी वाजपेयी ने उनके क्रियाकलापों की सराहना की थी, लेकिन आज कांग्रेस का एक ही काम रह गया है, सरकार की उपलब्धियों पर संदेह और सवाल खड़े करना। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा के नाम पर दलगत भावना से ऊपर उठकर काम करना चाहिये। रक्षा मंत्री ने पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ गतिरोध के संबंध में कहा कि अगर लोग सेना की उपलब्धियों के बारें जानेंगे तो खुशी से उछल पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि गलवान में बिहार के जवानों ने शहादत देकर देश की रक्षा की।

सिंह ने अपने संबोधन के दौरान कश्मीर से अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को समाप्त करने, श्रीराम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त होने, नागरिकता कानून में संशोधन, उज्ज्वला योजना के तहत गैस का कनेक्शन दिया जाने सहित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की उपलब्धियां गिनायी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हर गरीबों का बैंक खाता खुलवाया और सभी के खाते में सीधे सब्सिडी या अन्य योजनाओं की राशि पहुंच रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सराहना करते सिंह ने कहा कि नीतीश के दामन पर अब तक दाग नहीं लगे हैं और अब ''तेल पिलावन लाठी रैली'' नहीं बल्कि विकास रैली होती हैं। उन्होंने कहा, ''हम चरवाहा स्कूल नहीं खोलते बल्कि चरवाहों के बच्चों को आईएएस, आईपीएस, इंजीनियर और डॉक्टर बनाना चाहते हैं।'' लोगों से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को जनादेश देने की अपील करते हुए सिंह ने कहा, '' लालटेन का युग समाप्त हो गया है तथा अब एलईडी का युग आ गया है। दीपावली आ गई है, लक्ष्मी जी कमल के फूल पर बैठकर आती है। इसलिये तीर चलाइये, लालटेन बुझाइये और कमल का फूल खिलाइये।

एक नवम्बर को कुछ वक्त के लिये गोरखपुर हवाई अड्डे पहुंचेंगे प्रधानमंत्री

गोरखपुर (उप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी एक नवम्बर को अपने बिहार विधानसभा चुनाव अभियान से लौटते समय कुछ वक्त के लिये हेलीकॉप्टर से गोरखपुर हवाई अड्डे पर उतरेंगे और वहां से दिल्ली रवाना हो जाएंगे। भाजपा के मीडिया प्रभारी बृजेश त्रिपाठी ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी एक नवम्बर को बिहार में चुनावी सभाओं को सम्बोधित करने के बाद शाम को हेलीकॉप्टर से गोरखपुर हवाई अड्डे पर उतरेंगे और वहीं से विमान के जरिये दिल्ली रवाना हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि हालांकि मोदी बहुत थोड़े वक्त के लिये ही गोरखपुर में होंगे। लेकिन फिर भी उनके स्वागत की तैयारियां की जा रही हैं। इस बीच, प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री के आगमन के मद्देनजर प्रशासन, पुलिस तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार की शाम और शुक्रवार की सुबह बैठकें की। हालांकि प्रशासन के पास अभी तक मोदी का कोई आधिकारिक कार्यक्रम नहीं आया है। गोरखपुर हवाई अड्डे के निदेशक ए.के. द्विवेदी ने बताया, प्रधानमंत्री के आगमन के वक्त हवाई अड्डे का संचालन सामान्य रहेगा, लिहाजा उनका हेलीकॉप्टर सिविल टर्मिनल के बजाय वायुसेना बेस पर उतरेगा। इस बारे में मुझे इससे ज्यादा जानकारी नहीं है।

द्रास के लोगों ने गुपकर घोषणापत्र गठबंधन के एजेंडे का किया समर्थन : उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर। (एजेंसी)।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि लद्दाख में द्रास के लोगों ने गुपकर घोषणापत्र गठबंधन (पीएजीडी) के एजेंडा का ''समर्थन'' किया है। उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल जम्मू-कश्मीर के लिये आगे के रास्ते के बारे में लोगों के साथ परामर्श करने के लिए अभी कारगिल में हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी समेत मुख्य धारा के सात दलों के गठबंधन ने जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा बहाल कराने के लिए पीएजीडी का गठन किया है। केन्द्र सरकार ने पिछले साल पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा समाप्त कर दिया था। इसके बाद तत्कालीन राज्य को विभक्त करके जम्मू कश्मीर और लद्दाख को केन्द्र शासित प्रदेश बनाया गया था। पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने ट्वीट किया, ''द्रास के लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया, जिन्होंने एक सुर में गुपकर घोषणापत्र गठबंधन के एजेंडे का समर्थन किया।'' उन्होंने कहा, ''गुपकर घोषणापत्र गठबंधन आगे के रास्ते के बारे में लोगों से परामर्श करने के लिए कारगिल

जा रहा है।'' नेकां प्रमुख फारूक अब्दुल्ला पीएजीडी के अध्यक्ष और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती इसकी उपाध्यक्ष हैं। महबूबा ने ट्वीट किया, ''लोगों से बातचीत करने के लिए आपको कारगिल में देखकर अच्छा लगा। उनसे सम्पर्क करने का यह सबसे सही समय है क्योंकि अपने भविष्य को लेकर उनके मन में भी संदेह में हैं।'' नेकां नेता नासिर असलम वानी, पीडीपी नेता गुलाम नबी लोन हंजुरा और वहीद पारा और अवामी नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता मुजफ्फर शाह भी कारगिल पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में शामिल हैं। केन्द्र के पांच अगस्त को लिए गए फैसले के बाद जम्मू-कश्मीर के मुख्यधारा के राजनीतिक दल के नेताओं का यह पहला लद्दाख दौरा है।

एनसी का दावा, फारूक अब्दुल्ला को नमाज पढ़ने के लिए बाहर जाने से रोका गया

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) ने शुक्रवार को दावा किया कि जम्मू-कश्मीर में प्राधिकारियों ने पार्टी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला को मिलाद-उन-नबी के मौके पर नमाज पढ़ने के मकसद से यहां हजरतबल दरगाह जाने के लिए उनके आवास से बाहर जाने से रोक दिया। इस मामले पर टिप्पणी के लिए प्रशासन का कोई अधिकारी उपलब्ध नहीं हो सका। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने ट्वीट किया, ''जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने पार्टी अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला के आवास को अवरुद्ध कर दिया है और उन्हें नमाज पढ़ने के लिए दरगाह हजरतबल जाने से रोक दिया। जेकेएनसी खासकर मिलाद-उन-नबी के पवित्र अवसर पर प्रार्थना के मौलिक अधिकार के उल्लंघन की निंदा करता है।' लोकसभा में श्रीनगर का प्रतिनिधित्व करने वाले फारूक अब्दुल्ला डल झील के किनारे स्थित हजरतबल दरगाह पर जाकर नमाज पढ़ने वाले थे। पैगम्बर मोहम्मद की जयंती के अवसर पर मिलाद-उन-नबी मनाया जाता है। इसे इस्लामी कैलेंडर के तीसरे माह रबी-अल अव्वल में मनाया जाता है।

भारत में 81 लाख के करीब पहुंची कोरोना संक्रमितों की तादाद, अब तक 1,21,090 मरीजों की मौत

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत में कोविड-19 के एक दिन में 48,648 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर शुक्रवार को 80,88,851 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों के छह लाख से कम होने के साथ ही संक्रमण से ठीक होने की दर देश में 91 प्रतिशत के पार पहुंच गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार वायरस से 563 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 1,21,090 हो गई है। मंत्रालय ने बताया कि देश में कुल 73,73,375 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और मरीजों के ठीक होने की दर 91.15 प्रतिशत है। वहीं कोविड-19 से मृत्यु दर 1.50 प्रतिशत है।

मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में 5,94,386 लोगों का कोविड-19 का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 7.35 प्रतिशत है। भारत में सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितम्बर को संक्रमितों की संख्या 40 लाख के पार चली गई थी। वहीं, कुल मामले 16 सितम्बर को 50 लाख के पार, 28 सितम्बर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख और 29 अक्टूबर को 80 लाख के पार चले गए थे। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार 29 अक्टूबर तक कुल 10,77,28,088 नमूनों की कोविड-19 की जांच की गई, जिनमें से 11,64,648 नमूनों का परीक्षण बृहस्पतिवार को ही किया गया।

आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटे में जिन 563 लोगों की मौत हुई, उनमें से 156 लोग महाराष्ट्र के थे। इनके अलावा पश्चिम बंगाल के 61, छत्तीसगढ़ के 53, कर्नाटक के 45, तमिलनाडु के 35, दिल्ली के 27 और केरल के 26 लोग थे। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, देश में वायरस से अभी तक कुल 1,21,090 लोगों की मौत हुई है। इनमें से सबसे अधिक 43,710 लोग महाराष्ट्र के थे, उसके बाद कर्नाटक के 11,091, तमिलनाडु के 11,053, उत्तर प्रदेश के 6,983, पश्चिम बंगाल के 6,725, आंध्र प्रदेश के 6,659, दिल्ली के 6,423, पंजाब के 4,168 और गुजरात के 3,705 लोग थे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि 70 प्रतिशत से ज्यादा मामलों में मरीजों को अन्य बीमारियां भी थीं। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि उसके आंकड़ों का आईसीएमआर के आंकड़ों के साथ मिलान किया जा रहा है।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता बहुत खराब, शनिवार तक सुधरने की उम्मीद

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता शुक्रवार सुबह 'बहुत खराब' श्रेणी में रही। प्रदूषण संबंधी अनुमान जताने वाली सरकारी एजेंसी ने कहा कि हवा की अनुकूल गति के कारण वायु गुणवत्ता में थोड़ा सुधार होने की उम्मीद है। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बृहस्पतिवार को कुछ समय के लिए ''गंभीर'' स्तर पर रहा और इसके बाद यह ''बहुत खराब'' श्रेणी मे पहुंच गया। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली 'सफर' के अनुसार, दिल्ली की हवा में पीएम 2.5 के संकेंद्रण में पराली जलाने का योगदान बृहस्पतिवार को इस मौसम में सर्वाधिक 36 प्रतिशत था। दिल्ली में सुबह साढ़े नौ बजे एक्यूआई 380 दर्ज किया गया। बृहस्पतिवार को 24 घंटे का औसत एक्यूआई 395 रहा। यह बुधवार को 297, मंगलवार को 312, सोमवार को 353 और रविवार को 349 था। शादीपुर (417), पटपड़गंज (406), बवाना (447) और मुंडका (427) समेत कई निगरानी स्टेशनों पर एक्यूआई 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज किया गया।

उल्लेखनीय है कि 0 और 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा , 51 और 100 के बीच संतोषजनक , 101 और 200 के बीच मध्यम , 201 और 300 के बीच खराब , 301 और 400 के बीच बेहद खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है। सीपीसीबी के डेटा के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में बृहस्पतिवार सुबह 10 बजे पीएम10 का स्तर 424 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया जो इस मौसम में सर्वाधिक है। भारत में 100 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से नीचे के पीएम 10 का स्तर सुरक्षित माना जाता है। पीएम 2.5 का स्तर 231 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर मापा गया। भारत में 60 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक पीएम 2.5 के स्तर को सुरक्षित माना जाता है। नासा से प्राप्त उपग्रह चित्रों में पंजाब के अधिकांश और हरियाणा के कुछ हिस्सों में पराली इत्यादि जलाने की घटनाओं की पुष्टि हुई। सफर के अनुसार, पीएम2.5 संक्रेंद्रण में पराली जलाने का योगदान दिल्ली में 36 प्रतशित रहा। यह बुधवार को 18 प्रतिशत, मंगलवार को 23 प्रतिशत, सोमवार को 16 प्रतिशत, रविवार को 19 प्रतिशत और शनिवार को नौ प्रतिशत रहा। सफर ने कहा कि सतह पर हवा की गति बढ़ने और वातायन की बेहतर परिस्थितियों से शनिवार तक हालात में ''काफी'' सुधार की उम्मीद है। भाषा हवा की गति धीमी होने और पराली इत्यादि जलाने की घटनाएं बढ़ने से प्रदूषण के स्तर में वृद्धि देखी गई।

इसे भी पढ़ें÷ दिल्ली-ह्ष्टक्र में वायु प्रदूषण रोकने के लिए केंद्र ने बनाया नया कानून, उल्लंघन करने पर 5 साल की सजा

केंद्र सरकार की वायु गुणवत्ता चेतावनी प्रणाली की ओर से कहा गया कि बुधवार को पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में पराली इत्यादि जलाने की घटनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई जिसके कारण दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और उत्तर पश्चिम भारत के अन्य भागों में वायु गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। प्रणाली के अनुसार पंजाब में पराली जलाने की लगभग तीन हजार घटनाएं सामने आई। शहर में पूर्वाह्न 11 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 397 दर्ज किया गया। चौबीस घंटे का औसत एक्यूआई बुधवार को 297, मंगलवार को 312, सोमवार को 353, रविवार को 349, शनिवार को 345 और शुक्रवार

को 366 था। शादीपुर (405), पटपड़गंज (411), जहांगीरपुरी (429) और विवेक विहार (432) समेत 16 निगरानी स्टेशनों पर एक्यूआई 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक ने कहा कि बुधवार को हवा की गति कम थी, जिसके कारण प्रदूषण कारक तत्व एकत्रित हो गए। उन्होंने कहा, ÷कुछ समय की राहत के बाद शाम तक वायु गुणवत्ता पुनः बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गई।÷ पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली 'सफर' के अनुसार दिल्ली की हवा में पीएम 2.5 के संकेंद्रण में पराली जलाने का योगदान बुधवार को 18 प्रतिशत था। हवा की गति धीमी होने और कम तापमान के कारण प्रदूषण कारक तत्व एकत्रित हो जाते हैं और हवा की रफ्तार तेज होने से वे बिखर जाते हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)